If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పి పలకలేవు-ఈనల్లనిరాలలో.Feeble are The Seeker and the Sought
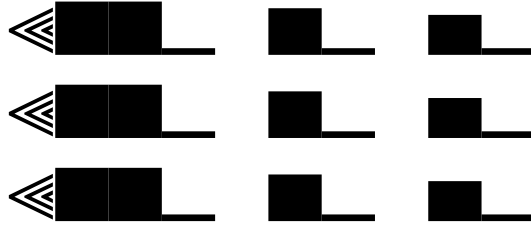
Inside.....

Haal kaisa hai janaab kaa?

Infidels deny.....

Prefinal.....

Conclusion.....

Haal kaisa hai janaabkaa?

Aal-i-Imraan (3:19)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلدِّينَ عِندَ ٱللَّهِ ٱلۡإِسۡلَٰمُ وَمَا ٱخۡتَلَفَ ٱلَّذِينَ أُوتُواْ ٱلۡكِتَٰبَ إِلَّا مِنۢ بَعۡدِ مَا جَآءَهُمُ ٱلۡعِلۡمُ بَغۡيَۢا بَيۡنَهُمۡۗ وَمَن يَكۡفُرۡ بِـَٔايَٰتِ ٱللَّهِ فَإِنَّ ٱللَّهَ سَرِيعُ ٱلۡحِسَابِ

The Religion before Allahﷻ is Islam (submission to His Will): Nor did the People of the Book dissent therefrom except through envy of each other, after knowledge had come to them. But if any deny the Signs of Allahﷻ, Allah ﷻis swift in calling to account.

दीन (धर्म) तो अल्लाहﷻ की स्पष्ट में इस्लाम ही है। जिन्हें किताब दी गई थी, उन्होंने तो इसमें इसके पश्चात विभेद किया कि ज्ञान उनके पास आ चुका था। ऐसा उन्होंने परस्पर दुराग्रह के कारण किया। जो अल्लाहﷻ की आयतों का इनकार करेगा तो अल्लाहﷻ भी जल्द हिसाब लेनेवाला है

নিঃসন্দেহে আল্লাহﷻর নিকট গ্রহণযোগ্য দ্বীন একমাত্র ইসলাম।

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

এবং যাদের প্রতি কিতাব দেয়া হয়েছে তাদের নিকট প্রকৃত জ্ঞান আসার পরও ওরা মতবিরোধে লিপ্ত হয়েছে, শুধুমাত্র পরস্পর বিদ্বেষবশতঃ, যারা আল্লাহﷻর নিদর্শনসমূহের প্রতি কুফরী করে তাদের জানা উচিত যে, নিশ্চিতরূপে আল্লাহﷻ হিসাব গ্রহণে অত্যন্ত দ্রুত।

Al-Anbiyaa (21:26)●●

وَقَالُوا۟ ٱتَّخَذَ ٱلرَّحْمَٰنُ وَلَدًا ۗ سُبْحَٰنَهُۥ ۚ بَلْ عِبَادٌ مُّكْرَمُونَ

And they say: "(Allahﷻ) Most Gracious has begotten offspring." Glory to Himاللهﷻ! they are (but) servants raised to honour.

और वे कहते है कि "रहमान सन्तान रखता है।" महानاللهﷻ हो वह! बल्कि वे तो प्रतिष्ठित बन्दे हैं

তারা বললঃ দয়াময় আল্লাহﷻ সন্তান গ্রহণ করেছে। তাঁর জন্য কখনও ইহা যোগ্য নয়; বরং তারা তো তাঁর সম্মানিত বান্দা।

Al-Anbiyaa (21:27)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا يَسْبِقُونَهُۥ بِٱلْقَوْلِ وَهُم بِأَمْرِهِۦ يَعْمَلُونَ

They speak not before Heاللهﷻ speaks, and they act (in all things) by Hisﷻ Command.

उसاللهﷻसे आगे बढ़कर नहीं बोलते और उनकेﷻ आदेश का पालन करते है

তারাاللهﷻ আগে বেড়ে কথা বলতে পারে না এবং তারা তাঁর اللهﷻআদেশেই কাজ করে।

Al-Anbiyaa (21:28)●●

يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يَشْفَعُونَ إِلَّا لِمَنِ ٱرْتَضَىٰ وَهُم مِّنْ خَشْيَتِهِۦ مُشْفِقُونَ

Heﷲ knows what is before them, and what is behind them, and they offer no intercession except for those who are acceptable, and they stand in awe and reverence of Hisﷻ (Glory).

वह ﷲजानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है, और वे किसी की सिफ़ारिश नहीं करते सिवाय उसके जिसके लिए अल्लाहﷻ पसन्द करे। और वे उसके भय से डरते रहते है

তাদের সম্মুখে ও পশ্চাতে যা আছে, তা তিনিﷲ জানেন। তারা শুধু তাদের জন্যে সুপারিশ করে, যাদের প্রতি আল্লাহﷻ সন্তুষ্ট এবং তারা তাঁর ভয়ে ভীত।

Al-Anbiyaa (21:29)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يَقُلْ مِنْهُمْ إِنِّىٓ إِلَٰهٌ مِّن دُونِهِۦ فَذَٰلِكَ نَجْزِيهِ جَهَنَّمَ كَذَٰلِكَ نَجْزِى ٱلظَّٰلِمِينَ

If any of them should say, "I am a god besides Himﷲﷻ", such a one We ﷲﷻshould reward with Hell: thus do We reward those who do wrong.

और जो उनमें से यह कहे कि "उनﷲﷻके सिवा मैं भी एक इष्ट - पूज्य हूँ।" तो हमﷲﷻ उसे बदले में जहन्नम देंगे। ज़ालिमों को हम ऐसा ही बदला दिया करते है

তাদের মধ্যে যে বলে যে, তিনি ব্যতীত আমিই উপাস্য, তাকে আমি ﷲﷻজাহান্নামের শাস্তি দেব। আমি জালেমদেরকে এভাবেই প্রতিফল দিয়ে থাকি।

Al-Anbiyaa (21:30)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوَلَمْ يَرَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَنَّ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ كَانَتَا رَتْقًا فَفَتَقْنَٰهُمَا ۖ وَجَعَلْنَا مِنَ ٱلْمَآءِ كُلَّ شَىْءٍ حَىٍّ ۖ أَفَلَا يُؤْمِنُونَ

Do not the Unbelievers see that the heavens and the earth were joined together (as one unit of creation), before we الله ﷻ clove them asunder? We الله ﷻ made from water every living thing. Will they not then believe?

क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमअल्लाह ﷻ ने उन्हें खोल दिया। और हमअल्लाह ﷻ ने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?

কাফেররা কি ভেবে দেখে না যে, আকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর মুখ

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

বন্ধ ছিল, অতঃপর আমিﷻ উভয়কে খুলে দিলাম এবং প্রাণবন্ত সবকিছু আমিﷻ পানি থেকে সৃষ্টি করলাম। এরপরও কি তারা বিশ্বাস স্থাপন করবে না?

Al-Anbiyaa (21:31)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلْنَا فِي ٱلْأَرْضِ رَوَٰسِيَ أَن تَمِيدَ بِهِمْ وَجَعَلْنَا فِيهَا فِجَاجًا سُبُلًا لَّعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ

And Weﷻ have set on the earth mountains standing firm, lest it should shake with them, and Weﷻ have made therein broad highways (between mountains) for them to pass through: that they may receive Guidance.

और हमﷻने धरती में अटल पहाड़ रख दिए, ताकि कहीं ऐसा न हो कि वह उन्हें लेकर ढुलक जाए और हमﷻने उसमें ऐसे दर्रे बनाए कि रास्तों का काम देते है, ताकि वे मार्ग पाएँ

আমিﷲﷻ পৃথিবীতে ভারী বোঝা রেখে দিয়েছি যাতে তাদেরকে নিয়ে পৃথিবী ঝুঁকে না পড়ে এবং তাতে প্রশস্ত পথ রেখেছি, যাতে তারা পথ প্রাপ্ত হয়।

Al-Anbiyaa (21:32)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلْنَا ٱلسَّمَآءَ سَقْفًا مَّحْفُوظًا وَهُمْ عَنْ ءَايَٰتِهَا مُعْرِضُونَ

And Weﷲﷻ have made the heavens as a canopy well guarded: yet do they turn away from the Signs which these things (point to)!

और हमﷲﷻने आकाश को एक सुरक्षित छत बनाया, किन्तु वे है कि उसकी निशानियों से कतरा जाते है

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?
If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.
और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते
আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

আমিالله ﷻ আকাশকে সুরক্ষিত ছাদ করেছি; অথচ তারা আমার আকাশস্থ নিদর্শনাবলী থেকে মুখ ফিরিয়ে রাখে।

Al-Anbiyaa (21:33)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِى خَلَقَ ٱلَّيْلَ وَٱلنَّهَارَ وَٱلشَّمْسَ وَٱلْقَمَرَ كُلٌّ فِى فَلَكٍ يَسْبَحُونَ

It is Heالله ﷻ Who created the Night and the Day, and the sun and the moon: all (the celestial bodies) swim along, each in its rounded course.

वहीالله ﷻ है जिसने रात और दिन बनाए और सूर्य और चन्द्र भी। प्रत्येक अपने-अपने कक्ष में तैर रहा है

তিনিইالله ﷻ সৃষ্টি করেছেন রাত্রি ও দিন এবং সূর্য ও চন্দ্র। সবাই আপন আপন কক্ষপথে বিচরণ করে।

Al-Anbiyaa (21:34)●●

وَمَا جَعَلْنَا لِبَشَرٍ مِّن قَبْلِكَ ٱلْخُلْدَ أَفَإِيْن مِّتَّ فَهُمُ ٱلْخَٰلِدُونَ

Weﷻ granted not to any man before thee permanent life (here): if then thou shouldst die, would they live permanently?

हमﷻने तुमसे पहले भी किसी आदमी के लिए अमरता नहीं रखी। फिर क्या यदि तुम मर गए तो वे सदैव रहनेवाले है?

আপনার পূর্বেও কোন মানুষকে আমিﷻ অনন্ত জীবন দান করিনি। সুতরাং আপনার মৃত্যু হলে তারা কি চিরঞ্জীব হবে?

Al-Anbiyaa (21:35)●●

كُلُّ نَفْسٍ ذَآئِقَةُ ٱلْمَوْتِ وَنَبْلُوكُم بِٱلشَّرِّ وَٱلْخَيْرِ فِتْنَةً وَإِلَيْنَا تُرْجَعُونَ

Every soul shall have a taste of death: and Weﷲ test you by evil and by good by way of trial. to Usﷲ must ye return.

हर जीव को मौत का मज़ा चखना है और हमﷲ अच्छी और बुरी परिस्थितियों में डालकर तुम सबकी परीक्षा करते है। अन्ततः तुम्हें हमारीﷲ ही ओर पलटकर आना है

প্রত্যেককে মৃত্যুর স্বাদ আস্বাদন করতে হবে। আমিﷲ তোমাদেরকে মন্দ ও ভাল দ্বারা পরীক্ষা করে থাকি এবং আমারﷲই কাছে তোমরা প্রত্যাবর্তিত হবে।

Az-Zukhruf (43:23)●●

وَكَذَٰلِكَ مَآ أَرْسَلْنَا مِن قَبْلِكَ فِى قَرْيَةٍ مِّن نَّذِيرٍ إِلَّا قَالَ مُتْرَفُوهَآ إِنَّا وَجَدْنَآ ءَابَآءَنَا عَلَىٰٓ أُمَّةٍ وَإِنَّا عَلَىٰٓ ءَاثَٰرِهِم مُّقْتَدُونَ

Just in the same way, whenever Weﷻ sent a Warner before thee to any people, the wealthy ones among them said: "We found our fathers following a certain religion, and we will certainly follow in their footsteps."

इसी प्रकार हमअल्लाहﷻने जिस किसी बस्ती में तुमसे पहले कोई सावधान करनेवाला भेजा तो वहाँ के सम्पन्न लोगों ने बस यही कहा कि "हमने तो अपने बाप-दादा को एक तरीक़े पर पाया और हम उन्हीं के पद-चिन्हों पर है, उनका अनुसरण कर रहे है।"

এমনিভাবে আপনার পূর্বে আমিاللهﷻ যখন কোন জনপদে কোন সতর্ককারী প্রেরণ করেছি, তখনই তাদের বিত্তশালীরা

বলেছে, আমরা আমাদের পূর্বপুরুষদেরকে পেয়েছি এক পথের পথিক এবং আমরা তাদেরই পদাংক অনুসরণ করে চলছি।

Al-Maaida (5:104)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا۟ إِلَىٰ مَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَإِلَى ٱلرَّسُولِ قَالُوا۟ حَسْبُنَا مَا وَجَدْنَا عَلَيْهِ ءَابَآءَنَآ أَوَلَوْ كَانَ ءَابَآؤُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ شَيْـًٔا وَلَا يَهْتَدُونَ

When it is said to them: "Come to what Allahﷻ hath revealed; come to the Messenger": They say: "Enough for us are the ways we found our fathers following." what! even though their fathers were void of knowledge and guidance?

और जब उनसे कहा जाता है कि उस चीज़ की ओर आओ जो अल्लाहﷻ ने अवतरित की है और रसूल की ओर, तो वे कहते है, "

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

हमारे लिए तो वही काफ़ी है, जिस पर हमने अपने बाप-दादा को पाया है।" क्या यद्यपि उनके बापृ-दादा कुछ भी न जानते रहे हों और न सीधे मार्ग पर रहे हो?

যখন তাদেরকে বলা হয় যে, আল্লাহﷻর নাযিলকৃত বিধান এবং রসূলের দিকে এস, তখন তারা বলে, আমাদের জন্যে তাই যথেষ্ট, যার উপর আমরা আমাদের বাপ-দাদাকে পেয়েছি। যদি তাদের বাপ দাদারা কোন জ্ঞান না রাখে এবং হেদায়েত প্রাপ্ত না হয় তবুও কি তারা তাই করবে?

Al-Baqara (2:170)●●

وَإِذَا قِيلَ لَهُمُ ٱتَّبِعُوا مَا أَنزَلَ ٱللَّهُ قَالُوا بَلْ نَتَّبِعُ مَا أَلْفَيْنَا عَلَيْهِ ءَابَآءَنَا أَوَلَوْ كَانَ ءَابَآؤُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ شَيْـًٔا وَلَا يَهْتَدُونَ

When it is said to them: "Follow what Allahﷻ hath

revealed:" They say: "Nay! we shall follow the ways of our fathers." What! even though their fathers Were void of wisdom and guidance?

और जब उनसे कहा जाता है, "अल्लाह ﷻ ने जो कुछ उतारा है उसका अनुसरण करो।" तो कहते है, "नहीं बल्कि हम तो उसका अनुसरण करेंगे जिसपर हमने अपने बाप-दादा को पाया है।" क्या उस दशा में भी जबकि उनके बाप-दादा कुछ भी बुद्धि से काम न लेते रहे हों और न सीधे मार्ग पर रहे हों?

আর যখন তাদেরকে কেউ বলে যে, সে হুকুমেরই আনুগত্য কর যা আল্লাহ ﷻ তা'আলা নাযিল করেছেন, তখন তারা বলে কখনো না, আমরা তো সে বিষয়েরই অনুসরণ করব। যাতে আমরা আমাদের বাপ-দাদাদেরকে দেখেছি। যদি ও তাদের বাপ দাদারা কিছুই জানতো না, জানতো না সরল পথও।

Al-Baqara (2:171)●●

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَثَلُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ كَمَثَلِ ٱلَّذِى يَنْعِقُ بِمَا لَا يَسْمَعُ إِلَّا دُعَآءً وَنِدَآءً صُمٌّۢ بُكْمٌ عُمْىٌ فَهُمْ لَا يَعْقِلُونَ

The parable of those who reject Faith is as if one were to shout Like a goat-herd, to things that listen to nothing but calls and cries: Deaf, dumb, and blind, they are void of wisdom.

इन इनकार करनेवालों की मिसाल ऐसी है जैसे कोई ऐसी चीज़ों को पुकारे जो पुकार और आवाज़ के सिवा कुछ न सुनती और समझती हो। ये बहरे हैं, गूँगें हैं, अन्धें हैं; इसलिए ये कुछ भी नहीं समझ सकते

বস্তুতঃ এহেন কাফেরদের উদাহরণ এমন, যেন কেউ এমন কোন জীবকে আহবান করছে যা কোন কিছুই শোনে না, হাঁক-ডাক আর চিৎকার ছাড়া বধির মুক, এবং অন্ধ। সুতরাং তারা কিছুই বোঝে না।

Al-Baqara (2:165)●●

وَمِنَ ٱلنَّاسِ مَن يَتَّخِذُ مِن دُونِ ٱللَّهِ أَندَادًا يُحِبُّونَهُمْ
كَحُبِّ ٱللَّهِ وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ أَشَدُّ حُبًّا لِّلَّهِ وَلَوْ يَرَى
ٱلَّذِينَ ظَلَمُوٓا۟ إِذْ يَرَوْنَ ٱلْعَذَابَ أَنَّ ٱلْقُوَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا
وَأَنَّ ٱللَّهَ شَدِيدُ ٱلْعَذَابِ

Yet there are men who take (for worship) others besides Allah,ﷻ as equal (with Allahﷻ): They love them as they should love Allah.ﷻ But those of Faith are overflowing in their love for Allahﷻ. If only the unrighteous could see, behold, they would see the penalty: that to Allahﷻ belongs all power, and Allahﷻ will strongly enforce the penalty.

कुछ लोग ऐसे भी है जो अल्लाहﷻ से हटकर दूसरों को उसके समकक्ष ठहराते है, उनसे ऐसा प्रेम करते है जैसा अल्लाहﷻ से प्रेम

करना चाहिए। और कुछ ईमानवाले है उन्हें सबसे बढ़कर अल्लाहﷻ से प्रेम होता है। और ये अत्याचारी (बहुदेववादी) जबकि यातना देखते है, यदि इस तथ्य को जान लेते कि शक्ति सारी की सारी अल्लाहﷻ ही को प्राप्त हो और यह कि अल्लाहﷻ अत्यन्त कठोर यातना देनेवाला है (तो इनकी नीति कुछ और होती)

আর কোন লোক এমনও রয়েছে যারা অন্যান্যকে আল্লাহﷻর সমকক্ষ সাব্যস্ত করে এবং তাদের প্রতি তেমনি ভালবাসা পোষণ করে, যেমন আল্লাহﷻর প্রতি ভালবাসা হয়ে থাকে। কিন্তু যারা আল্লাহﷻর প্রতি ঈমানদার তাদের ভালবাসা ওদের তুলনায় বহুগুণ বেশী। আর কতইনা উত্তম হ'ত যদি এ জালেমরা পার্থিব কোন কোন আযাব প্রত্যক্ষ করেই উপলব্ধি করে নিত যে, যাবতীয় ক্ষমতা শুধুমাত্র আল্লাহﷻরই জন্য এবং আল্লাহﷻর আযাবই সবচেয়ে কঠিনতর।

Al-Baqara (2:166)●●

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

إِذْ تَبَرَّأَ ٱلَّذِينَ ٱتُّبِعُوا۟ مِنَ ٱلَّذِينَ ٱتَّبَعُوا۟ وَرَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ وَتَقَطَّعَتْ بِهِمُ ٱلْأَسْبَابُ

Then would those who are followed clear themselves of those who follow (them): They would see the penalty, and all relations between them would be cut off.

जब वे लोग जिनके पीछे वे चलते थे, यातना को देखकर अपने अनुयायियों से विरक्त हो जाएँगे और उनके सम्बन्ध और सम्पर्क टूट जाएँगे

অনুসৃতরা যখন অনুসরণকারীদের প্রতি অসন্তুষ্ট হয়ে যাবে এবং যখন আযাব প্রত্যক্ষ করবে আর বিচ্ছিন্ন হয়ে যাবে তাদের পারস্পরিক সমস্ত সম্পর্ক।

Al-Baqara (2:167)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ ٱتَّبَعُواْ لَوْ أَنَّ لَنَا كَرَّةً فَنَتَبَرَّأَ مِنْهُمْ كَمَا تَبَرَّءُواْ مِنَّا كَذَٰلِكَ يُرِيهِمُ ٱللَّهُ أَعْمَٰلَهُمْ حَسَرَٰتٍ عَلَيْهِمْ وَمَا هُم بِخَٰرِجِينَ مِنَ ٱلنَّارِ

And those who followed would say: "If only We had one more chance, We would clear ourselves of them, as they have cleared themselves of us." Thus will Allah ﷻ show them (The fruits of) their deeds as (nothing but) regrets. Nor will there be a way for them out of the Fire.

वे लोग जो उनके पीछे चले थे कहेंगे, "काश! हमें एक बार (फिर संसार में लौटना होता तो जिस तरह आज ये हमसे विरक्त हो रहे हैं, हम भी इनसे विरक्त हो जाते।" इस प्रकार अल्लाह ﷻ उनके लिए संताप बनाकर उन्हें कर्म दिखाएगा और वे आग (जहन्नम) से निकल न सकेंगे

এবং অনুসারীরা বলবে, কতইনা ভাল হত, যদি আমাদিগকে পৃথিবীতে ফিরে যাবার সুযোগ দেয়া হত। তাহলে আমরাও

তাদের প্রতি তেমনি অসন্তুষ্ট হয়ে যেতাম, যেমন তারা অসন্তুষ্ট হয়েছে আমাদের প্রতি। এভাবেই আল্লাহﷻ তা'আলা তাদেরকে দেখাবেন তাদের কৃতকর্ম তাদেরকে অনুতপ্ত করার জন্যে। অথচ, তারা কস্মিনকালেও আগুন থেকে বের হতে পারবে না।

Faatir (35:22)●●

وَمَا يَسْتَوِى ٱلْأَحْيَآءُ وَلَا ٱلْأَمْوَٰتُ إِنَّ ٱللَّهَ يُسْمِعُ مَن يَشَآءُ وَمَآ أَنتَ بِمُسْمِعٍ مَّن فِى ٱلْقُبُورِ

Nor are alike those that are living and those that are dead. Allahﷻ can make any that Heﷻ wills to hear; but thou canst not make those to hear who are (buried) in graves.

और न जीवित और मृत बराबर है। निश्चय ही अल्लाहﷻ जिसे चाहता है सुनाता है। तुम उन लोगों को नहीं सुना सकते, जो क़ब्रों में हो।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

আরও সমান নয় জীবিত ও মৃত। আল্লাহﷻ শ্রবণ করান যাকে ইচ্ছা। আপনি কবরে শায়িতদেরকে শুনাতে সক্ষম নন।

Faatir (35:22)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا يَسْتَوِي ٱلْأَحْيَآءُ وَلَا ٱلْأَمْوَٰتُ إِنَّ ٱللَّهَ يُسْمِعُ مَن يَشَآءُ وَمَآ أَنتَ بِمُسْمِعٍ مَّن فِى ٱلْقُبُورِ

Nor are alike those that are living and those that are dead. Allahﷻ can make any that Heﷻ wills to hear; but thou canst not make those to hear who are (buried) in graves.

और न जीवित और मृत बराबर है। निश्चय ही अल्लाहﷻ जिसे चाहता है सुनाता है। तुम उन लोगों को नहीं सुना सकते, जो क़ब्रों में हो।

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

আরও সমান নয় জীবিত ও মৃত। আল্লাহﷻ শ্রবণ করান যাকে ইচ্ছা। আপনি কবরে শায়িতদেরকে শুনাতে সক্ষম নন।

فَٱنظُرْ إِلَىٰٓ ءَاثَٰرِ رَحْمَتِ ٱللَّهِ كَيْفَ يُحْىِ ٱلْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَآ ۚ إِنَّ ذَٰلِكَ لَمُحْىِ ٱلْمَوْتَىٰ ۖ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

Then contemplate (O man!) the memorials of Allahﷻ's Mercy!- how Heاللهﷻ gives life to the earth after its death: verily the same will give life to the men who are dead: for Heاللهﷻ has power over all things.

अतः देखों अल्लाहﷻ की दयालुता के चिन्ह! वहاللهﷻ किस प्रकार

धरती को उसके मृत हो जाने के पश्चात जीवन प्रदान करता है। निश्चय ही वहﷲ ﷻ मुर्दों को जीवत करनेवाला है, और उसे हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्ती है

অতএব, আল্লাহﷻর রহমতের ফল দেখে নাও, কিভাবে তিনি ﷲﷻমৃত্তিকার মৃত্যুর পর তাকে জীবিত করেন। নিশ্চয় তিনি ﷲﷻমৃতদেরকে জীবিত করবেন এবং তিনিﷲﷻ সব কিছুর উপর সর্বশক্তিমান।

Al-A'raaf (7:191)●●

أَيُشْرِكُونَ مَا لَا يَخْلُقُ شَيْـًٔا وَهُمْ يُخْلَقُونَ

Do they indeed ascribe to Himﷲﷻ as partners things that can create nothing, but are themselves created?

क्या वे उसﷲﷻको साझी ठहराते है जो कोई चीज़ भी पैदा नहीं

करता, बल्कि ऐसे उनके ठहराए हुए साझीदार तो स्वयं पैदा किए जाते हैं

الله ﷻ

তারা কি এমন কাউকে শরীক সাব্যস্ত করে, যে একটি বস্তুও সৃষ্টি করেনি, বরং তাদেরকে সৃষ্টি করা হয়েছে।

Al-A'raaf (7:192)●●

وَلَا يَسْتَطِيعُونَ لَهُمْ نَصْرًا وَلَا أَنفُسَهُمْ يَنصُرُونَ

No aid can they give them, nor can they aid themselves!

और वे न तो उनकी सहायता करने की सामर्थ्य रखते है और न स्वयं अपनी ही सहायता कर सकते है?

আর তারা, না তাদের সাহায্য করতে পারে, না নিজের সাহায্য করতে পারে।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Al-Ahqaf (46:5)●●

وَمَنْ أَضَلُّ مِمَّن يَدْعُوا۟ مِن دُونِ ٱللَّهِ مَن لَّا يَسْتَجِيبُ لَهُۥٓ إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَـٰمَةِ وَهُمْ عَن دُعَآئِهِمْ غَـٰفِلُونَ

And who is more astray than one who invokes besides Allahﷻ, such as will not answer him to the Day of Judgment, and who (in fact) are unconscious of their call (to them)?

आख़िर उस व्यक्ति से बढ़कर पथभ्रष्ट और कौन होगा, जो अल्लाहﷻ से हटकर उन्हें पुकारता हो जो क़ियामत के दिन तक उसकी पुकार को स्वीकार नहीं कर सकते, बल्कि वे तो उनकी पुकार से भी बेख़बर है;

যে ব্যক্তি আল্লাহﷻর পরিবর্তে এমন বস্তুর পূজা করে, যে

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్లా?
If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.
और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते
আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

কেয়ামত পর্যন্তও তার ডাকে সাড়া দেবে না, তার চেয়ে অধিক পথভ্রষ্ট আর কে? তারা তো তাদের পুজা সম্পর্কেও বেখবর।

Al-Ahqaf (46:6)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا حُشِرَ ٱلنَّاسُ كَانُوا۟ لَهُمْ أَعْدَآءً وَكَانُوا۟ بِعِبَادَتِهِمْ كَٰفِرِينَ

And when mankind are gathered together (at the Resurrection), they will be hostile to them and reject their worship (altogether)!

और जब लोग इकट्ठे किए जाएँगे तो वे उनके शत्रु होंगे और उनकी बन्दगी का इनकार करेंगे

যখন মানুষকে হাশরে একত্রিত করা হবে, তখন তারা তাদের শত্রু হবে এবং তাদের এবাদত অস্বীকার করবে।

Al-Ahqaf (46:7)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتُنَا بَيِّنَٰتٍ قَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لِلْحَقِّ لَمَّا جَآءَهُمْ هَٰذَا سِحْرٌ مُّبِينٌ

When Our ﷻ Clear Signs are rehearsed to them, the Unbelievers say, of the Truth when it comes to them: "This is evident sorcery!"

जब हमारीﷻ स्पष्ट आयतें उन्हें पढ़कर सुनाई जाती है तो वे लोग जिन्होंने इनकार किया, सत्य के विषय में, जबकि वह उनके पास आ गया, कहते है कि "यह तो खुला जादू है।"

যখন তাদেরকে আমারﷻ সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ পাঠ করে শুনানো হয়, তখন সত্য আগমন করার পর কাফেররা বলে, এ তো প্রকাশ্য জাদু।

Al-Ahqaf (46:8)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْ يَقُولُونَ ٱفْتَرَىٰهُ ۖ قُلْ إِنِ ٱفْتَرَيْتُهُۥ فَلَا تَمْلِكُونَ لِى مِنَ ٱللَّهِ شَيْـًٔا ۖ هُوَ أَعْلَمُ بِمَا تُفِيضُونَ فِيهِ ۖ كَفَىٰ بِهِۦ شَهِيدًۢا بَيْنِى وَبَيْنَكُمْ ۖ وَهُوَ ٱلْغَفُورُ ٱلرَّحِيمُ

Or do they say, "He has forged it"? Say: "Had I forged it, then can ye obtain no single (blessing) for me from Allahﷻ. Heﷻ knows best of that whereof ye talk (so glibly)! Enough is Heﷻ for a witness between me and you! And اللهﷻ is Oft-Forgiving, Most Merciful."

(क्या ईमान लाने से उन्हें कोई चीज़ रोक रही है) या वे कहते है, " उसने इसे स्वयं ही घड़ लिया है?" कहो, "यदि मैंने इसे स्वयं घड़ा है तो अल्लाहﷻ के विरुद्ध मेरे लिए तुम कुछ भी अधिकार नहीं रखते। जिसके विषय में तुम बातें बनाने में लगे हो, वह उसे भली-भाँति

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

जानता है। और वहالله ﷻ मेरे और तुम्हारे बीच गवाह की हैसियत से काफ़ी है। और वही الله ﷻबड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है।"

তারা কি বলে যে, রসূল একে রচনা করেছে? বলুন, যদি আমি রচনা করে থাকি, তবে তোমরা আল্লাহﷻর শাস্তি থেকে আমাকে রক্ষা করার অধিকারী নও। তোমরা এ সম্পর্কে যা আলোচনা কর, সে বিষয়ে আল্লাহﷻ সম্যক অবগত। আমার ও তোমাদের মধ্যে তিনি সাক্ষী হিসাবে যথেষ্ট। তিনিالله ﷻ ক্ষমাশীল, দয়াময়।

Al-Hajj (22:12)●●

يَدْعُواْ مِن دُونِ ٱللَّهِ مَا لَا يَضُرُّهُۥ وَمَا لَا يَنفَعُهُۥ ذَٰلِكَ هُوَ ٱلضَّلَٰلُ ٱلْبَعِيدُ

They call on such deities, besides Allah,ﷻ as can neither hurt nor profit them: that is straying far indeed (from the Way)!

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

वह अल्लाहﷻ को छोड़कर उसे पुकारता है, जो न उसे हानि पहुँचा सके और न उसे लाभ पहुँचा सके। यही हैं परले दर्जे की गुमराही

সে আল্লাহﷻর পরিবর্তে এমন কিছুকে ডাকে, যে তার অপকার করতে পারে না এবং উপকারও করতে পারে না। এটাই চরম পথভ্রষ্টতা।

Al-Hajj (22:13)●●

يَدْعُوا۟ لَمَن ضَرُّهُۥٓ أَقْرَبُ مِن نَّفْعِهِۦ ۚ لَبِئْسَ ٱلْمَوْلَىٰ وَلَبِئْسَ ٱلْعَشِيرُ

(Perhaps) they call on one whose hurt is nearer than his profit: evil, indeed, is the patron, and evil the companion (or help)!

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

वह उसको पुकारता है जिससे पहुँचनेवाली हानि उससे अपेक्षित लाभ की अपेक्षा अधिक निकट है। बहुत ही बुरा संरक्षक है वह और बहुत ही बुरा साथी!

সে এমন কিছুকে ডাকে, যার অপকার উপকারের আগে পৌছে। কত মন্দ এই বন্ধু এবং কত মন্দ এই সঙ্গী।

Al-A'raaf (7:193)●●

وَإِن تَدْعُوهُمْ إِلَى ٱلْهُدَىٰ لَا يَتَّبِعُوكُمْ سَوَآءٌ عَلَيْكُمْ أَدَعَوْتُمُوهُمْ أَمْ أَنتُمْ صَٰمِتُونَ

If ye call them to guidance, they will not obey: For you it is the same whether ye call them or ye hold your peace!

यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे तुम्हारे पीछे न आएँगे। तुम्हारे लिए बराबर है - उन्हें पुकारो या तुम चुप रहो

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

আর তোমরা যদি তাদেরকে আহবান কর সুপথের দিকে, তবে তারা তোমাদের আহবান অনুযায়ী চলবে না। তাদেরকে আহবান জানানো কিংবা নীরব থাকা উভয়টিই তোমাদের জন্য সমান।

Al-A'raaf (7:194)●●

إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ عِبَادٌ أَمْثَالُكُمْ فَٱدْعُوهُمْ فَلْيَسْتَجِيبُوا۟ لَكُمْ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

Verily those whom ye call upon besides Allahﷻ are servants like unto you: Call upon them, and let them listen to your prayer, if ye are (indeed) truthful!

तुम अल्लाहﷻ को छोड़कर जिन्हें पुकारते हो वे तो तुम्हारे ही जैसे बन्दे है, अतः पुकार लो उनको, यदि तुम सच्चे हो, तो उन्हें चाहिए कि वे तुम्हें उत्तर दे!

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

আল্লাহﷻকে বাদ দিয়ে তোমরা যাদেরকে ডাক, তারা সবাই তোমাদের মতই বান্দা। অতএব, তোমরা যাদেরকে ডাক, তখন তাদের পক্ষেও তো তোমাদের সে ডাক কবুল করা উচিত যদি তোমরা সত্যবাদী হয়ে থাক?

Al-A'raaf (7:195)●●

أَلَهُمْ أَرْجُلٌ يَمْشُونَ بِهَآ أَمْ لَهُمْ أَيْدٍ يَبْطِشُونَ بِهَآ أَمْ لَهُمْ أَعْيُنٌ يُبْصِرُونَ بِهَآ أَمْ لَهُمْ ءَاذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَا قُلِ ٱدْعُوا۟ شُرَكَآءَكُمْ ثُمَّ كِيدُونِ فَلَا تُنظِرُونِ

Have they feet to walk with? Or hands to lay hold with? Or eyes to see with? Or ears to hear with? Say: "Call your 'god-partners', scheme (your worst) against me, and give me no respite!

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

क्या उनके पाँव हैं जिनसे वे चलते हों या उनके हाथ हैं जिनसे वे पकड़ते हों या उनके पास आँखें हीं जिनसे वे देखते हों या उनके कान हैं जिनसे वे सुनते हों? कहों, "तुम अपने ठहराए हु सहभागियों को बुला लो, फिर मेरे विरुद्ध चालें न चलो, इस प्रकार कि मुझे मुहलत न दो

তাদের কি পা আছে, যদ্বারা তারা চলাফেরা করে, কিংবা তাদের কি হাত আছে, যদ্বারা তারা ধরে। অথবা তাদের কি চোখ আছে যদ্বারা তারা দেখতে পায় কিংবা তাদের কি কান আছে যদ্বারা শুনতে পায়? বলে দাও, তোমরা ডাক তোমাদের অংশীদারদিগকে, অতঃপর আমার অমঙ্গল কর এবং আমাকে অবকাশ দিও না।

Al-Hajj (22:73)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ضُرِبَ مَثَلٌ فَٱسْتَمِعُوا۟ لَهُۥٓ ۚ إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ لَن يَخْلُقُوا۟ ذُبَابًا وَلَوِ ٱجْتَمَعُوا۟ لَهُۥ ۖ وَإِن يَسْلُبْهُمُ ٱلذُّبَابُ شَيْـًٔا لَّا يَسْتَنقِذُوهُ مِنْهُ

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ضَعُفَ ٱلطَّالِبُ وَٱلْمَطْلُوبُ

O men! Here is a parable set forth! listen to it! Those on whom, besides Allahﷻ, ye call, cannot create (even) a fly, if they all met together for the purpose! and if the fly should snatch away anything from them, they would have no power to release it from the fly. Feeble are those who petition and those whom they petition!

ऐ लोगों! एक मिसाल पेश की जाती है। उसे ध्यान से सुनो, अल्लाहﷻ से हटकर तुम जिन्हें पुकारते हो वे एक मक्खी भी पैदा नहीं कर सकते। यद्यपि इसके लिए वे सब इकट्ठे हो जाएँ और यदि मक्खी उनसे कोई चीज़ छीन ले जाए तो उससे वे उसको छुड़ा भी नहीं सकते। बेबस और असहाय रहा च◌ाहनेवाला भी (उपासक) और उसका अभीष्ट (उपास्य) भी

হে লোক সকল! একটি উপমা বর্ণনা করা হলো, অতএব তোমরা তা মনোযোগ দিয়ে শোন; তোমরা আল্লাহﷻর পরিবর্তে যাদের

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

পূজা কর, তারা কখনও একটি মাছি সৃষ্টি করতে পারবে না, যদিও তারা সকলে একত্রিত হয়। আর মাছি যদি তাদের কাছ থেকে কোন কিছু ছিনিয়ে নেয়, তবে তারা তার কাছ থেকে তা উদ্ধার করতে পারবে না, প্রার্থনাকারী ও যার কাছে প্রার্থনা করা হয়, উভয়েই শক্তিহীন।

Al-Hajj (22:74)●●

مَا قَدَرُوا۟ ٱللَّهَ حَقَّ قَدْرِهِۦٓ ۗ إِنَّ ٱللَّهَ لَقَوِىٌّ عَزِيزٌ

No just estimate have they made of Allahﷻ: for Allahﷻ is He Who is strong and able to Carry out His Will.

उन्होंने अल्लाहﷻ की क़द्र ही नहीं पहचानी जैसी कि उसकी क़द्र पहचाननी चाहिए थी। निश्चय ही अल्लाहﷻ अत्यन्त बलवान, प्रभुत्वशाली है

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

তারা আল্লাহ‎ﷻর যথাযোগ্য মর্যাদা বোঝেনি। নিশ্চয় আল্লাহ‎ﷻ শক্তিধর, মহাপরাক্রমশীল।

Al-Hajj (22:75)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ يَصْطَفِى مِنَ ٱلْمَلَٰٓئِكَةِ رُسُلًا وَمِنَ ٱلنَّاسِ إِنَّ ٱللَّهَ سَمِيعٌۢ بَصِيرٌ

Allahﷻ chooses messengers from angels and from men for Allahﷻ is He Who hears and sees (all things).

अल्लाहﷻ फ़रिश्तों में से संदेशवाहक चुनता और मनुष्यों में से भी। निश्चय ही अल्लाहﷻ सब कुछ सुनता, देखता है

আল্লাহﷻ ফেরেশতা ও মানুষের মধ্য থেকে রাসূল মনোনীত করেন। আল্লাহﷻ সর্বশ্রোতা, সর্ব দ্রষ্টা!

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Al-Hajj (22:76)●●

يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَإِلَى ٱللَّهِ تُرْجَعُ ٱلْأُمُورُ

He knows what is before them and what is behind them: and to Allah go back all questions (for decision).

वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है। और सारे मामले अल्लाह ही की ओर पलटते है

তিনি জানেন যা তাদের সামনে আছে এবং যা পশ্চাতে আছে এবং সবকিছু আল্লাহর দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে।

Hud (11:109)●●

فَلَا تَكُ فِى مِرْيَةٍ مِّمَّا يَعْبُدُ هَٰٓؤُلَآءِ مَا يَعْبُدُونَ إِلَّا كَمَا يَعْبُدُ ءَابَآؤُهُم مِّن قَبْلُ وَإِنَّا لَمُوَفُّوهُمْ نَصِيبَهُمْ غَيْرَ مَنقُوصٍ

Be not then in doubt as to what these men worship. They worship nothing but what their fathers worshipped before (them): but verily We shall pay them back (in full) their portion without (the least) abatement.

अतः जिनको ये पूज रहे है, उनके विषय में तुझे कोई संदेह न हो। ये तो बस उसी तरह पूजा किए जा रहे है, जिस तरह इससे पहले इनके बाप-दादा पूजा करते रहे हैं। हम तो इन्हें इनका हिस्सा बिना किसी कमी के पूरा-पूरा देनेवाले हैं

অতএব, তারা যেসবের উপাসনা করে তুমি সে ব্যাপারে কোনরূপ ধোঁকায় পড়বে না। তাদের পূর্ববর্তী বাপ-দাদারা যেমন পূজা উপাসনা করত, এরাও তেমন করছে। আর নিশ্চয় আমি তাদেরকে আযাবের ভাগ কিছু মাত্রও কম না করেই পুরোপুরি

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

দান করবো।

Infidels, deny Allaahu.s.w.t.

Al-Anbiyaa (21:22)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

لَوْ كَانَ فِيهِمَآ ءَالِهَةٌ إِلَّا ٱللَّهُ لَفَسَدَتَا فَسُبْحَٰنَ ٱللَّهِ رَبِّ ٱلْعَرْشِ عَمَّا يَصِفُونَ

If there were, in the heavens and the earth, other gods besides Allah,ﷻ there would have been confusion in both! but glory to Allah,ﷻ the Lord of the Throne: (High is Heﷻ) above what they attribute to Him!

यदि इन दोनों (आकाश और धरती) में अल्लाहﷻ के सिवा दूसरे इष्ट-पूज्य भी होते तो दोनों की व्यवस्था बिगड़ जाती। अतः महान और उच्च है अल्लाह,ﷻ राजासन का स्वामी, उन बातों से जो ये बयान करते है

যদি নভোমন্ডল ও ভুমন্ডলে আল্লাহﷻ ব্যতীত অন্যান্য উপাস্য থাকত, তবে উভয়ের ধ্বংস হয়ে যেত। অতএব তারা যা বলে, তা থেকে আরশের অধিপতি আল্লাহﷻ পবিত্র।

Al-Anbiyaa (21:23)●●

لَا يُسْـَٔلُ عَمَّا يَفْعَلُ وَهُمْ يُسْـَٔلُونَ

He اللهﷻcannot be questioned for His acts, but they will be questioned (for theirs).

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

जो कुछ वह करता है उसﷲﷻसे उसकी कोई पूछ नहीं हो सकती, किन्तु इनसे पूछ होगी

তিনি যা করেন, তৎসম্পর্কে তিনিﷲﷻ জিজ্ঞাসিত হবেন না এবং তাদেরকে জিজ্ঞেস করা হবে।

Al-Anbiyaa (21:24)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمِ ٱتَّخَذُوا۟ مِن دُونِهِۦٓ ءَالِهَةً ۖ قُلْ هَاتُوا۟ بُرْهَـٰنَكُمْ ۖ هَـٰذَا ذِكْرُ مَن مَّعِىَ وَذِكْرُ مَن قَبْلِى ۗ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ٱلْحَقَّ ۖ فَهُم مُّعْرِضُونَ

Or have they taken for worship (other) gods besides him? Say, "Bring your convincing proof: this is the Message of those with me and the Message of those before me." But most of them know not the Truth, and so turn away.

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

(क्या ये अल्लाह के हक़ को नहीं पहचानते) या उसे छोड़कर इन्होंने दूसरे इष्ट-पूज्य बना लिए है (जिसके लिए इनके पास कुछ प्रमाण है)? कह दो, "लाओ, अपना प्रमाण! यह अनुस्मृति है उनकी जो मेरे साथ है और अनुस्मृति है उनकी जो मुझसे पहले हुए है, किन्तु बात यह है कि इनमें अधिकतर सत्य को जानते नहीं, इसलिए कतरा रहे है

তারা কি আল্লাহ ব্যতীত অন্যান্য উপাস্য গ্রহণ করেছে? বলুন, তোমরা তোমাদের প্রমাণ আন। এটাই আমার সঙ্গীদের কথা এবং এটাই আমার পুর্ববর্তীদের কথা। বরং তাদের অধিকাংশই সত্য জানে না; অতএব তারা টালবাহানা করে।

Al-Anbiyaa (21:25)●●

وَمَآ أَرْسَلْنَا مِن قَبْلِكَ مِن رَّسُولٍ إِلَّا نُوحِىٓ إِلَيْهِ أَنَّهُۥ

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

لَآ إِلَٰهَ إِلَّآ أَنَا۠ فَٱعْبُدُونِ

Not a messenger did Weﷻ send before thee without this inspiration sent by Us to him: that there is no god but I; therefore worship and serve Me.

हमﷻने तुमसे पहले जो रसूल भी भेजा, उसकी ओर यही प्रकाशना की कि " "मेरे सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः तुम मेरी ही बन्दगी करो।"

আপনার পূর্বে আমিﷻ যে রাসূলই প্রেরণ করেছি, তাকে এ আদেশই প্রেরণ করেছি যে, আমি ব্যতীত অন্য কোন উপাস্য নেই। সুতরাং আমারই এবাদত কর।

Aal-i-Imraan (3:12)●●

قُل لِّلَّذِينَ كَفَرُوا۟ سَتُغْلَبُونَ وَتُحْشَرُونَ إِلَىٰ جَهَنَّمَ وَبِئْسَ ٱلْمِهَادُ

Say to those who reject Faith: "Soon will ye be vanquished and gathered together to Hell,-an evil bed indeed (to lie on)!

इनकार करनेवालों से कह दो, "शीघ्र ही तुम पराभूत होगे और जहन्नम की ओर हाँके जाओगें। और वह क्या ही बुरा ठिकाना है।"

কাফেরদিগকে বলে দিন, খুব শিগগীরই তোমরা পরাভূত হয়ে দোযখের দিকে হাঁকিয়ে নীত হবে-সেটা কতই না নিকৃষ্টতম অবস্থান।

Aal-i-Imraan (3:10)●●

إِنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَن تُغْنِىَ عَنْهُمْ أَمْوَٰلُهُمْ وَلَآ أَوْلَٰدُهُم

مِّنَ ٱللَّهِ شَيْـًٔا ۖ وَأُو۟لَـٰٓئِكَ هُمْ وَقُودُ ٱلنَّارِ

Those who reject Faith,- neither their possessions nor their (numerous) progeny will avail them aught against Allahﷻ: They are themselves but fuel for the Fire.

जिन लोगों ने इनकार की नीति अपनाई है अल्लाहﷻ के मुकाबले में तो न उसके माल उनके कुछ काम आएँगे और न उनकी संतान ही। और वही हैं जो आग (जहन्नम) का ईधन बनकर रहेंगे

যারা কুফুরী করে, তাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি আল্লাহﷻর সামনে কখনও কাজে আসবে না। আর তারাই হচ্ছে দোযখের ইন্ধন।

Aal-i-Imraan (3:11)●●

كَدَأْبِ ءَالِ فِرْعَوْنَ وَٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ ۚ كَذَّبُوا۟ بِـَٔايَـٰتِنَا

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

فَأَخَذَهُمُ ٱللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ وَٱللَّهُ شَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

(Their plight will be) no better than that of the people of Pharaoh, and their predecessors: They denied our Signs, and Allahﷻ called them to account for their sins. For Allah ﷻis strict in punishment.

जैसे फ़िरऔन के लोगों और उनसे पहले के लोगों का हाल हुआ। उन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया तो अल्लाहﷻ ने उन्हें उनके गुनाहों पर पकड़ लिया। और अल्लाहﷻ कठोर दंड देनेवाला है

ফেরআউনের সম্প্রদায় এবং তাদের পূর্ববর্তীদের ধারা অনুযায়ীই তারা আমার আয়াতসমূহকে মিথ্যা প্রতিপন্ন করেছে। ফলে তাদের পাপের কারণে আল্লাহﷻ তাদেরকে পাকড়াও করেছেন আর আল্লাহﷻর আযাব অতি কঠিন।

Aal-i-Imraan (3:12)●●

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

بسم الله الرحمن الرحيم

قُل لِّلَّذِينَ كَفَرُوا۟ سَتُغْلَبُونَ وَتُحْشَرُونَ إِلَىٰ جَهَنَّمَ وَبِئْسَ ٱلْمِهَادُ

Say to those who reject Faith: "Soon will ye be vanquished and gathered together to Hell,-an evil bed indeed (to lie on)!

इनकार करनेवालों से कह दो, "शीघ्र ही तुम पराभूत होगे और जहन्नम की ओर हाँके जाओगं। और वह क्या ही बुरा ठिकाना है।"

কাফেরদিগকে বলে দিন, খুব শিগগীরই তোমরা পরাভূত হয়ে দোযখের দিকে হাঁকিয়ে নীত হবে-সেটা কতই না নিকৃষ্টতম অবস্থান।

Az-Zumar (39:8)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا مَسَّ ٱلْإِنسَٰنَ ضُرٌّ دَعَا رَبَّهُۥ مُنِيبًا إِلَيْهِ ثُمَّ إِذَا خَوَّلَهُۥ نِعْمَةً مِّنْهُ نَسِىَ مَا كَانَ يَدْعُوٓا۟ إِلَيْهِ مِن قَبْلُ وَجَعَلَ لِلَّهِ أَندَادًا لِّيُضِلَّ عَن سَبِيلِهِۦ قُلْ تَمَتَّعْ بِكُفْرِكَ قَلِيلًا إِنَّكَ مِنْ أَصْحَٰبِ ٱلنَّارِ

When some trouble toucheth man, he crieth unto his Lordﷲﷻ, turning to Him in repentance: but when Heﷲﷻ bestoweth a favour upon him as from Himself, (man) doth forget what he cried and prayed for before, and he doth set up rivals unto Allahﷻ, thus misleading others from Allah'ﷻs Path. Say, "Enjoy thy blasphemy for a little while: verily thou art (one) of the Companions of the Fire!"

जब मनुष्य को कोई तकलीफ़ पहुँचती है तो वह अपने रबﷲﷻ को उसी की ओर रुजू होकर पुकारने लगता है, फिर जब वहﷲﷻ उसपर अपनी अनुकम्पा करता है, तो वह उस चीज़ को भूल जाता है जिसके लिए पहले पुकार रहा था और (दूसरो को) अल्लाहﷻ के समकक्ष ठहराने लगता है, ताकि इसके परिणामस्वरूप वह उसकी राह

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

से भटका दे। कह दो, "अपने इनकार का थोड़ा मज़ा ले लो। निस्संदेह तुम आगवालों में से हो।"

যখন মানুষকে দুঃখ-কষ্ট স্পর্শ করে, তখন সে একাগ্রচিত্তে তার পালনকর্তাﷲﷻকে ডাকে, অতঃপর তিনি যখন তাকে নেয়ামত দান করেন, তখন সে কষ্টের কথা বিস্মৃত হয়ে যায়, যার জন্যে পূর্বে ডেকেছিল এবং আল্লাহর সমকক্ষ স্থির করে; যাতে করে অপরকে আল্লাহর পথ থেকে বিভ্রান্ত করে। বলুন, তুমি তোমার কুফর সহকারে কিছুকাল জীবনোপভোগ করে নাও। নিশ্চয় তুমি জাহান্নামীদের অন্তর্ভূক্ত।

Al-Hajj (22:72)●●

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتُنَا بَيِّنَٰتٍ تَعْرِفُ فِى وُجُوهِ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ ٱلْمُنكَرَ يَكَادُونَ يَسْطُونَ بِٱلَّذِينَ يَتْلُونَ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتِنَا قُلْ أَفَأُنَبِّئُكُم بِشَرٍّ مِّن ذَٰلِكُمُ ٱلنَّارُ وَعَدَهَا ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ وَبِئْسَ ٱلْمَصِيرُ

When Ourﷻ Clear Signs are rehearsed to them, thou wilt notice a denial on the faces of the Unbelievers! they nearly attack with violence those who rehearse Our Signs to them. Say, "Shall I tell you of something (far) worse than these Signs? It is the Fire (of Hell)! Allahﷻ has promised it to the Unbelievers! and evil is that destination!"

और जब उन्हें हमारीﷻ स्पष्ट आयतें सुनाई जाती है, तो इनकार करनेवालों के चेहरों पर तुम्हें नागवारी प्रतीत होती है। लगता है कि अभी वे उन लोगों पर टूट पड़ेगे जो उन्हें हमारी आयतें सुनाते है। कह दो, "क्या मैं तुम्हे इससे बुरी चीज़ की ख़बर दूँ? आग है वह - अल्लाहﷻ ने इनकार करनेवालों से उसी का वादा कर रखा है - और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है।"

যখন তাদের কাছে আমারﷻ সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ আবৃত্তি করা হয়, তখন তুমি কাফেরদের চোখে মুখে অসন্তোষের লক্ষণ প্রত্যক্ষ করতে পারবে। যারা তাদের কাছে আমার আয়াত সমূহ

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

পাঠ করে, তারা তাদের প্রতি মার মুখো হয়ে উঠে। বলুন, আমি কি তোমাদেরকে তদপেক্ষা মন্দ কিছুর সংবাদ দেব? তা আগুন; আল্লাহﷻ কাফেরদেরকে এর ওয়াদা দিয়েছেন। এটা কতই না নিকৃষ্ট প্রত্যাবর্তনস্থল।

Saba (34:31)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَن نُّؤْمِنَ بِهَٰذَا ٱلْقُرْءَانِ وَلَا بِٱلَّذِى بَيْنَ يَدَيْهِ وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذِ ٱلظَّٰلِمُونَ مَوْقُوفُونَ عِندَ رَبِّهِمْ يَرْجِعُ بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ ٱلْقَوْلَ يَقُولُ ٱلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ لَوْلَآ أَنتُمْ لَكُنَّا مُؤْمِنِينَ

The Unbelievers say: "We shall neither believe in this scripture nor in (any) that (came) before it." Couldst thou but see when the wrong-doers will be made to stand before their Lord, throwing back the word (of blame) on one another! Those who had been despised will say to the

arrogant ones: "Had it not been for you, we should certainly have been believers!"

जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है, "हम इस क़ुरआन को कदापि न मानेंगे और न उसको जो इसके आगे है।" और यदि तुम देख पाते जब ज़ालिम अपने रब के सामने खड़े कर दिए जाएँगे। वे आपस में एक-दूसरे पर इल्ज़ाम डाल रहे होंगे। जो लोग कमज़ोर समझे गए वे उन लोगों से जो बड़े बनते थे कहेंगे, "यदि तुम न होते तो हम अवश्य ही ईमानवाले होते।"

কাফেররা বলে, আমরা কখনও এ কোরআনে বিশ্বাস করব না এবং এর পূর্ববর্তী কিতাবেও নয়। আপনি যদি পাপিষ্ঠদেরকে দেখতেন, যখন তাদেরকে তাদের পালনকর্তার সামনে দাঁড় করানো হবে, , তখন তারা পরস্পর কথা কাটাকাটি করবে। যাদেরকে দুর্বল মনে করা হত, তারা অহংকারীদেরকে বলবে, তোমরা না থাকলে আমরা অবশ্যই মুমিন হতাম।

Al-A'raaf (7:28)●●

وَإِذَا فَعَلُوا۟ فَـٰحِشَةً قَالُوا۟ وَجَدْنَا عَلَيْهَآ ءَابَآءَنَا وَٱللَّهُ أَمَرَنَا بِهَا ۗ قُلْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَأْمُرُ بِٱلْفَحْشَآءِ ۖ أَتَقُولُونَ عَلَى ٱللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ

When they do aught that is shameful, they say: "We found our fathers doing so"; and "Allah ﷻ commanded us thus": Say: "Nay, Allah ﷻ never commands what is shameful: do ye say of Allah ﷻ what ye know not?"

और उनका हाल यह है कि जब वे लोग कोई अश्लील कर्म करते है तो कहते है कि "हमने अपने बाप-दादा को इसी तरीक़े पर पाया है और अल्लाह ﷻ ही ने हमें इसका आदेश दिया है।" कह दो, "अल्लाह ﷻ कभी अश्लील बातों का आदेश नहीं दिया करता। क्या अल्लाह ﷻ पर थोपकर ऐसी बात कहते हो, जिसका तुम्हें ज्ञान नहीं?"

তারা যখন কোন মন্দ কাজ করে, তখন বলে আমরা বাপ-

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

দাদাকে এমনি করতে দেখেছি এবং আল্লাহﷻও আমাদেরকে এ নির্দেশই দিয়েছেন। আল্লাহﷻ মন্দকাজের আদেশ দেন না। এমন কথা আল্লাহﷻর প্রতি কেন আরোপ কর, যা তোমরা জান না।

Al-A'raaf (7:29)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ أَمَرَ رَبِّى بِٱلْقِسْطِ وَأَقِيمُوا۟ وُجُوهَكُمْ عِندَ كُلِّ مَسْجِدٍ وَٱدْعُوهُ مُخْلِصِينَ لَهُ ٱلدِّينَ كَمَا بَدَأَكُمْ تَعُودُونَ

Say: "My Lordاللهﷻ hath commanded justice; and that ye set your whole selves (to Himﷻ) at every time and place of prayer, and call upon Himﷻ, making your devotion sincere as in His ﷻsight: such as He created you in the beginning, so shall ye return."

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

कह दो, "मेरे रबﷲﷻ ने तो न्याय का आदेश दिया है और यह कि इबादत के प्रत्येक अवसर पर अपना रुख़ ठीक रखो और निरे उसीﷲﷻ के भक्त एवं आज्ञाकारी बनकर उसे पुकारो। जैसे उसﷲﷻने तुम्हें पहली बार خلقसृष्टि किया, वैसे ही तुम फिर पैदा होगे।"

আপনি বলে দিনঃ আমার প্রতিপালক সুবিচারের নির্দেশ দিয়েছেন এবং তোমরা প্রত্যেক সেজদার সময় স্বীয় মুখমন্ডল সোজা রাখ এবং তাঁকে খাঁটি আনুগত্যশীল হয়ে ডাক। তোমাদেরকে প্রথমে যেমন خلقসৃষ্টি করেছেন, পুনর্বারও সৃজিত হবে।

At-Tawba (9:24)●●

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِن كَانَ ءَابَآؤُكُمْ وَأَبْنَآؤُكُمْ وَإِخْوَٰنُكُمْ وَأَزْوَٰجُكُمْ وَعَشِيرَتُكُمْ وَأَمْوَٰلٌ ٱقْتَرَفْتُمُوهَا وَتِجَٰرَةٌ تَخْشَوْنَ كَسَادَهَا وَمَسَٰكِنُ تَرْضَوْنَهَآ أَحَبَّ إِلَيْكُم

مِّنَ ٱللَّهِ وَرَسُولِهِۦ وَجِهَادٍ فِى سَبِيلِهِۦ فَتَرَبَّصُوا۟ حَتَّىٰ يَأْتِىَ ٱللَّهُ بِأَمْرِهِۦ وَٱللَّهُ لَا يَهْدِى ٱلْقَوْمَ ٱلْفَٰسِقِينَ

Say: If it be that your fathers, your sons, your brothers, your mates, or your kindred; the wealth that ye have gained; the commerce in which ye fear a decline: or the dwellings in which ye delight - are dearer to you than Allah ﷻ, or His Messenger, or the striving in His cause;- then wait until Allah ﷻ brings about His ﷻ decision: and Allah ﷻ guides not the rebellious.

कह दो, "यदि तुम्हारे बाप, तुम्हारे बेटे, तुम्हारे भाई, तुम्हारी पत्नि यों और तुम्हारे रिश्ते-नातेवाले और माल, जो तुमने कमाए है और कारोबार जिसके मन्दा पड़ जाने का तुम्हें भय है और घर जिन्हें तुम पसन्द करते हो, तुम्हे अल्लाह ﷻ और उसके रसूल और उसके मार्ग में जिहाद करने से अधिक प्रिय है तो प्रतीक्षा करो, यहाँ तक कि अल्लाह ﷻ अपना फ़ैसला ले आए। और अल्लाह ﷻ अवज्ञाकारियों को

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

मार्ग नहीं दिखाता।"

বল, তোমাদের নিকট যদি তোমাদের পিতা তোমাদের সন্তান, তোমাদের ভাই তোমাদের পত্নী, তোমাদের গোত্র তোমাদের অর্জিত ধন-সম্পদ, তোমাদের ব্যবসা যা বন্ধ হয়ে যাওয়ার ভয় কর এবং তোমাদের বাসস্থান-যাকে তোমরা পছন্দ কর-আল্লাহ,ﷻ তাঁর রসূল ও তাঁর রাহে জেহাদ করা থেকে অধিক প্রিয় হয়, তবে অপেক্ষা কর, আল্লাহﷻর বিধান আসা পর্যন্ত, আর আল্লাহﷻ ফাসেক সম্প্রদায়কে হেদায়েত করেন না।

Hud (11:109)●●

فَلَا تَكُ فِى مِرْيَةٍ مِّمَّا يَعْبُدُ هَٰٓؤُلَآءِ مَا يَعْبُدُونَ إِلَّا كَمَا يَعْبُدُ ءَابَآؤُهُم مِّن قَبْلُ وَإِنَّا لَمُوَفُّوهُمْ نَصِيبَهُمْ غَيْرَ مَنقُوصٍ

Be not then in doubt as to what these men worship. They

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

worship nothing but what their fathers worshipped before (them): but verily We ﷲﷻshall pay them back (in full) their portion without (the least) abatement.

अतः जिनको ये पूज रहे है, उनके विषय में तुझे कोई संदेह न हो। ये तो बस उसी तरह पूजा किए जा रहे है, जिस तरह इससे पहले इनके बाप-दादा पूजा करते रहे हैं। हमﷲﷻ तो इन्हें इनका हिस्सा बिना किसी कमी के पूरा-पूरा देनेवाले हैं

অতএব, তারা যেসবের উপাসনা করে তুমি সে ব্যাপারে কোনরূপ ধোঁকায় পড়বে না। তাদের পূর্ববর্তী বাপ-দাদারা যেমন পূজা উপাসনা করত, এরাও তেমন করছে। আর নিশ্চয় আমিﷲﷻ তাদেরকে আযাবের ভাগ কিছু মাত্রও কম না করেই পুরোপুরি দান করবো।

An-Naml (27:67)●●

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

وَقَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَءِذَا كُنَّا تُرَٰبًا وَءَابَآؤُنَآ أَئِنَّا لَمُخْرَجُونَ

The Unbelievers say: "What! when we become dust,- we and our fathers,- shall we really be raised (from the dead)?

जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है कि "क्या जब हम मिट्टी हो जाएँगे और हमारे बाप-दादा भी, तो क्या वास्तव में हम (जीवित करके) निकाले जाएँगे?

কাফেররা বলে, যখন আমরা ও আমাদের বাপ-দাদারা মৃত্তিকা হয়ে যাব, তখনও কি আমাদেরকে পুনরুত্থিত করা হবে?

Saba (34:43)

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتُنَا بَيِّنَٰتٍ قَالُوا۟ مَا هَٰذَآ إِلَّا رَجُلٌ يُرِيدُ أَن يَصُدَّكُمْ عَمَّا كَانَ يَعْبُدُ ءَابَآؤُكُمْ

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

وَقَالُوا۟ مَا هَٰذَآ إِلَّآ إِفْكٌ مُّفْتَرًى وَقَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لِلْحَقِّ لَمَّا جَآءَهُمْ إِنْ هَٰذَآ إِلَّا سِحْرٌ مُّبِينٌ

When Our ﷲﷻClear Signs are rehearsed to them, they say, "This is only a man who wishes to hinder you from the (worship) which your fathers practised." And they say, "This is only a falsehood invented!" and the Unbelievers say of the Truth when it comes to them, "This is nothing but evident magic!"

उन्हें जब हमारीﷲﷻ स्पष्ट आयतें पढ़कर सुनाई जाती है तो वे कहते है, "यह तो बस ऐसा व्यक्ति है जो चाहता है कि तुम्हें उनसे रोक दें जिनको तुम्हारे बाप-दादा पूजते रहे है।" और कहते है, "यह तो एक घड़ा हुआ झूठ है।" जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने सत्य के विषय में, जबकि वह उनके पास आया, कह दिया, "यह तो बस एक प्रत्यक्ष जादू है।"

যখন তাদের কাছে আমারﷲﷻ সুস্পষ্ট আয়াত সমূহ

তেলাওয়াত করা হয়, তখন তারা বলে, তোমাদের বাপ-দাদারা যার এবাদত করত এ লোকটি যে তা থেকে তোমাদেরকে বাধা দিতে চায়। তারা আরও বলে, এটা মনগড়া মিথ্যা বৈ নয়। আর কাফেরদের কাছে যখন সত্য আগমন করে, তখন তারা বলে, এতো এক সুস্পষ্ট যাদু।

Ibrahim (14:10)

قَالَتْ رُسُلُهُمْ أَفِي ٱللَّهِ شَكٌّ فَاطِرِ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ يَدْعُوكُمْ لِيَغْفِرَ لَكُم مِّن ذُنُوبِكُمْ وَيُؤَخِّرَكُمْ إِلَىٰٓ أَجَلٍ مُّسَمًّى قَالُوٓا۟ إِنْ أَنتُمْ إِلَّا بَشَرٌ مِّثْلُنَا تُرِيدُونَ أَن تَصُدُّونَا عَمَّا كَانَ يَعْبُدُ ءَابَآؤُنَا فَأْتُونَا بِسُلْطَٰنٍ مُّبِينٍ

Their messengers said: "Is there a doubt about Allahﷻ, The Creator of the heavens and the earth? It is He Who invites you, in order that Heاللهﷻ may forgive you your sins and give you respite for a term appointed!" They

said: "Ah! ye are no more than human, like ourselves! Ye wish to turn us away from the (gods) our fathers used to worship: then bring us some clear authority."

उनके रसूलों ने कहो, "क्या अल्लाह ﷻ के विषय में संदेह है, जो आकाशों और धरती का रचयिता है? वह तो तुम्हें इसलिए बुला रहा है, ताकि तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर दे और तुम्हें एक नियत समय तक मुहल्ल दे।" उन्होंने कहा, "तुम तो बस हमारे ही जैसे एक मनुष्य हो, चाहते हो कि हमें उनसे रोक दो जिनकी पूजा हमारे बाप-दादा करते आए है। अच्छा, तो अब हमारे सामने कोई स्पष्ट प्रमाण ले आओ।"

তাদের পয়গম্বরগণ বলেছিলেনঃ আল্লাহ ﷲﷻসম্পর্কে কি সন্দেহ আছে, যিনি নভোমন্ডল ও ভুমন্ডলের স্রষ্টা? তিনি তোমাদেরকে আহবান করেন যাতে তোমাদের কিছু গুনাহ ক্ষমা করেন এবং নির্দিষ্ট মেয়াদ পর্যন্ত তোমাদের সময় দেন। তারা বলতঃ তোমরা তো আমাদের মতই মানুষ! তোমরা আমাদেরকে ঐ উপাস্য থেকে বিরত রাখতে চাও, যার এবাদত আমাদের

পিতৃপুরুষগণ করত। অতএব তোমরা কোন সুস্পষ্ট প্রমাণ আনয়ন কর।

An-Najm (53:23)

إِنْ هِيَ إِلَّآ أَسْمَآءٌ سَمَّيْتُمُوهَآ أَنتُمْ وَءَابَآؤُكُم مَّآ أَنزَلَ ٱللَّهُ بِهَا مِن سُلْطَٰنٍ إِن يَتَّبِعُونَ إِلَّا ٱلظَّنَّ وَمَا تَهْوَى ٱلْأَنفُسُ وَلَقَدْ جَآءَهُم مِّن رَّبِّهِمُ ٱلْهُدَىٰٓ

These are nothing but names which ye have devised,- ye and your fathers,- for which Allah ﷻ has sent down no authority (whatever). They follow nothing but conjecture and what their own souls desire!- Even though there has already come to them Guidance from their Lord!

वे तो बस कुछ नाम है जो तुमने और तुम्हारे बाप-दादा ने रख लिए है। अल्लाह ﷻ ने उनके लिए कोई सनद नहीं उतारी। वे तो केवल

अटकल के पीछे चले रहे है और उनके पीछे जो उनके मन की इच्छा होती है। हालाँकि उनके पास उनके रब की ओर से मार्गदर्शन आ चुका है

এগুলো কতগুলো নাম বৈ নয়, যা তোমরা এবং তোমাদের পূর্ব-পুরুষদের রেখেছ। এর সমর্থনে আল্লাহﷻ কোন দলীল নাযিল করেননি। তারা অনুমান এবং প্রবৃত্তিরই অনুসরণ করে। অথচ তাদের কাছে তাদের পালনকর্তার পক্ষ থেকে পথ নির্দেশ এসেছে।

Al-Baqara (2:210)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّآ أَن يَأْتِيَهُمُ ٱللَّهُ فِى ظُلَلٍ مِّنَ ٱلْغَمَامِ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةُ وَقُضِىَ ٱلْأَمْرُ وَإِلَى ٱللَّهِ تُرْجَعُ ٱلْأُمُورُ

Will they wait until Allahﷻ comes to them in canopies of clouds, with angels (in His train) and the question is

(thus) settled? but to Allahﷲ ﷻ do all questions go back (for decision).

क्या वे (इसराईल की सन्तान) बस इसकी प्रतीक्षा कर रहे है कि अल्लाहﷲ ﷻ स्वयं ही बादलों की छायों में उनके सामने आ जाए और फ़रिश्ते भी, हालाँकि बात तय कर दी गई है? मामले तो अल्लाहﷲ ﷻ ही की ओर लौटते है

তারা কি সে দিকেই তাকিয়ে রয়েছে যে, মেঘের আড়ালে তাদের সামনে আসবেন আল্লাহﷲ ﷻ ও ফেরেশতাগণ ? আর তাতেই সব মীমাংসা হয়ে যাবে। বস্তুতঃ সবকার্যকলাপই আল্লাহﷻর নিকট গিয়ে পৌঁছবে।

Al-A'raaf (7:179)

وَلَقَدْ ذَرَأْنَا لِجَهَنَّمَ كَثِيرًا مِّنَ ٱلْجِنِّ وَٱلْإِنسِ لَهُمْ قُلُوبٌ لَّا يَفْقَهُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنٌ لَّا يُبْصِرُونَ بِهَا

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

وَلَهُمْ ءَاذَانٌ لَّا يَسْمَعُونَ بِهَآ أُو۟لَٰٓئِكَ كَٱلْأَنْعَٰمِ بَلْ هُمْ أَضَلُّ أُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْغَٰفِلُونَ

Many are the Jinns and men weﷻ have made for Hell: They have hearts wherewith they understand not, eyes wherewith they see not, and ears wherewith they hear not. They are like cattle,- nay more misguided: for they are heedless (of warning).

निश्चय ही हमﷻने बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं; उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बल्कि वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वही लोग है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है

আর আমিﷻ সৃষ্টি করেছি দোযখের জন্য বহু জ্বিন ও মানুষ। তাদের অন্তর রয়েছে, তার দ্বারা বিবেচনা করে না, তাদের চোখ রয়েছে, তার দ্বারা দেখে না, আর তাদের কান রয়েছে, তার

দ্বারা শোনে না। তারা চতুষ্পদ জন্তুর মত; বরং তাদের চেয়েও নিকৃষ্টতর। তারাই হল গাফেল, শৈথিল্যপরায়ণ।

Hud (11:101)

وَمَا ظَلَمْنَٰهُمْ وَلَٰكِن ظَلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ فَمَآ أَغْنَتْ عَنْهُمْ ءَالِهَتُهُمُ ٱلَّتِى يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ مِن شَىْءٍ لَّمَّا جَآءَ أَمْرُ رَبِّكَ وَمَا زَادُوهُمْ غَيْرَ تَتْبِيبٍ

It was not We that wronged them: They wronged their own souls: the deities, other than Allah, whom they invoked, profited them no whit when there issued the decree of thy Lord: Nor did they add aught (to their lot) but perdition!

हमने उनपर अत्याचार नहीं किया, बल्कि उन्होंने स्वयं अपने आप पर अत्याचार किया। फिर जब तेरे रब का आदेश आ गया तो उसके वे पूज्य, जिन्हें वे अल्लाह से हटकर पुकारा करते थे, उनके कुछ भी काम न आ सके। उन्होंने विनाश के अतिरिक्त उनके लिए किसी और

चीज़ में अभिवृद्धि नहीं की

আমি কিন্তু তাদের প্রতি জুলুম করি নাই বরং তারা নিজেরাই নিজের উপর অবিচার করেছে। ফলে আল্লাহকে বাদ দিয়ে তারা যেসব মাবুদকে ডাকতো আপনার পালনকর্তার হুকুম যখন এসে পড়ল, তখন কেউ কোন কাজে আসল না। তারা শুধু বিপর্যয়ই বৃদ্ধি করল।

Hud (11:102)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَكَذَٰلِكَ أَخْذُ رَبِّكَ إِذَآ أَخَذَ ٱلْقُرَىٰ وَهِىَ ظَٰلِمَةٌ ۚ إِنَّ أَخْذَهُۥٓ أَلِيمٌ شَدِيدٌ

Such is the chastisement of thy Lordﷻ when He ﷻchastises communities in the midst of their wrong: grievous, indeed, and severe is His ﷻchastisement.

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

तेरे रब اللهﷻकी पकड़ ऐसी ही होती है, जब वहاللهﷻ किसी ज़ालिम बस्ती को पकड़ता है। निस्संदेह उसاللهﷻकी पकड़ बड़ी दुखद, अत्यन्त कठोर होती है

Allaahu.swt. is not Parwardegar/Khuda/..Miyyah.

......mind The Gravity of Blashpheme and Sacrilage!

Oh amader baanglar Bondhujane

আর তোমার ~~পরওয়ারদেগার~~ اللهﷻযখন কোন পাপপূর্ণ জনপদকে ধরেন, তখন এমনিভাবেই ধরে থাকেন। নিশ্চয় তাঁর اللهﷻপাকড়াও খুবই মারাত্মক, বড়ই কঠোর।

Hud (11:103)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِّمَنْ خَافَ عَذَابَ ٱلْءَاخِرَةِ ذَٰلِكَ يَوْمٌ مَّجْمُوعٌ لَّهُ ٱلنَّاسُ وَذَٰلِكَ يَوْمٌ مَّشْهُودٌ

In that is a Sign for those who fear the penalty of the Hereafter: that is a Day for which mankind will be

gathered together: that will be a Day of Testimony.

निश्चय ही इसमें उस व्यक्ति के लिए एक निशानी है जो आख़िरत की यातना से डरता हो। वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सारे ही लोग एकत्र किए जाएँगे और वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सब कुछ आँखों के सामने होगा,

নিশ্চয় ইহার মধ্যে নিদর্শন রয়েছে এমন প্রতিটি মানুষের জন্য যে আখেরাতের আযাবকে ভয় করে। উহা এমন একদিন, যে দিন সব মানুষেই সমবেত হবে, সেদিনটি যে হাযিরের দিন।

Hud (11:104)

وَمَا نُؤَخِّرُهُۥٓ إِلَّا لِأَجَلٍ مَّعْدُودٍ

Nor shall We delay it but for a term appointed.

हम ﷻاللهउसे केवल थोड़ी अवधि के लिए ही लग रहे है;

আর আমিﷻالله যে উহা বিলম্বিত করি, তা শুধু একটি ওয়াদার কারণে যা নির্ধারিত রয়েছে।

Hud (11:105)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ يَأْتِ لَا تَكَلَّمُ نَفْسٌ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ فَمِنْهُمْ شَقِىٌّ وَسَعِيدٌ

The day it arrives, no soul shall speak except by Hisﷻالله leave: of those (gathered) some will be wretched and some will be blessed.

जिस दिन वह आएगा, तो उसﷻاللهकी अनुमति के बिना कोई व्यक्ति बात तक न कर सकेगा। फिर (मानवों में) कोई तो उनमें अभागा होगा और कोई भाग्यशाली

যেদিন তা আসবে সেদিন আল্লাহﷻর অনুমতি ছাড়া কেউ কোন কথা বলতে পারে না। অতঃপর কিছু লোক হবে হতভাগ্য আর কিছু লোক সৌভাগ্যবান।

Hud (11:106)

فَأَمَّا ٱلَّذِينَ شَقُوا۟ فَفِى ٱلنَّارِ لَهُمْ فِيهَا زَفِيرٌ وَشَهِيقٌ

Those who are wretched shall be in the Fire: There will be for them therein (nothing but) the heaving of sighs and sobs:

तो जो अभागे होंगे, वे आग में होंगे; जहाँ उन्हें आर्तनाद करना और फुँकार मारना है

অতএব যারা হতভাগ্য তারা দোযখে যাবে, সেখানে তারা

আর্তনাদ ও চিৎকার করতে থাকবে।

Hud (11:107)

خَٰلِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتِ ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ إِلَّا مَا شَآءَ رَبُّكَ إِنَّ رَبَّكَ فَعَّالٌ لِّمَا يُرِيدُ

They will dwell therein for all the time that the heavens and the earth endure, except as thy Lordالله ﷻ wills: for thy Lord الله ﷻis the (sure) accomplisher of what He plans.

वहाँ वे सदैव रहेंगे, जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें, बात यह है कि तुम्हारे रबالله ﷻ की इच्छा ही चलेगी। तुम्हारा रबالله ﷻ जो चाहे करे

তারা সেখানে চিরকাল থাকবে, যতদিন আসমান ও যমীন বর্তমান থাকবে। তবে তোমার প্রতিপালক الله ﷻঅন্য কিছু ইচ্ছা

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

করলে ভিন্ন কথা। নিশ্চয় তোমার পরওয়ারদেগার আল্লাহ ﷻযা ইচ্ছা করতে পারেন।

Pre-Finals:

Al-Maaida (5:105)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ عَلَيْكُمْ أَنفُسَكُمْ لَا يَضُرُّكُم مَّن ضَلَّ إِذَا ٱهْتَدَيْتُمْ إِلَى ٱللَّهِ مَرْجِعُكُمْ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُكُم بِمَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

O ye who believe! Guard your own souls: If ye follow (right) guidance, no hurt can come to you from those who stray. the goal of you all is to Allahﷻ: it is Heاللهﷻ that will show you the truth of all that ye do.

ऐ ईमान लानेवालो! तुमपर अपनी चिन्ता अनिवार्य है, जब तुम रास्ते पर हो, तो जो कोई भटक जाए वह तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अल्लाहﷺ की ओर तुम सबको लौटकर जाना है। फिर वहاللهﷻ तुम्हें बता देगा, जो कुछ तुम करते रहे होगे

হে মুমিনগণ, তোমরা নিজেদের চিন্তা কর। তোমরা যখন সৎপথে রয়েছ, তখন কেউ পথভ্রান্ত হলে তাতে তোমাদের কোন ক্ষতি নাই। তোমাদের সবাইকে আল্লাহﷻর কাছে ফিরে যেতে হবে। তখন তিনিاللهﷻ তোমাদেরকে বলে দেবেন, যা কিছু তোমরা করতে।

Faatir (35:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَزِرُ وَازِرَةٌ وِزْرَ أُخْرَىٰ وَإِن تَدْعُ مُثْقَلَةٌ إِلَىٰ حِمْلِهَا لَا يُحْمَلْ مِنْهُ شَيْءٌ وَلَوْ كَانَ ذَا قُرْبَىٰٓ إِنَّمَا تُنذِرُ ٱلَّذِينَ يَخْشَوْنَ رَبَّهُم بِٱلْغَيْبِ وَأَقَامُوا۟ ٱلصَّلَوٰةَ وَمَن تَزَكَّىٰ فَإِنَّمَا يَتَزَكَّىٰ لِنَفْسِهِۦ وَإِلَى ٱللَّهِ ٱلْمَصِيرُ

Nor can a bearer of burdens bear another's burdens if one heavily laden should call another to (bear) his load. Not the least portion of it can be carried (by the other). Even though he be nearly related. Thou canst but admonish such as fear their Lord unseen and establish regular Prayer. And whoever purifies himself does so for the benefit of his own soul; and the destination (of all) is to Allah.ﷻ

कोई बोझ उठानेवाला किसी दूसरे का बोझ न उठाएगा। और यदि कोई कोई से दबा हुआ व्यक्ति अपना बोझ उठाने के लिए पुकारे तो उसमें से कुछ भी न उठाया, यद्यपि वह निकट का सम्बन्धी ही क्यों

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

न हो। तुम तो केवल सावधान कर रहे हो। जो परोक्ष में रहते हुए अपने रब से डरते हैं और Assalaat ~~नमाज़~~ के पाबन्द हो चुके है (उनकी आत्मा का विकास हो गया)। और जिसने स्वयं को विकसित किया वह अपने ही भले के लिए अपने आपको विकसित करेगा। और पलटकर जाना तो अल्लाहﷻ ही की ओर है

কেউ অপরের বোঝা বহন করবে না। কেউ যদি তার গুরুতর ভার বহন করতে অন্যকে আহবান করে কেউ তা বহন করবে না-যদি সে নিকটবর্তী আত্মীয়ও হয়। আপনি কেবল তাদেরকে সতর্ক করেন, যারা তাদের পালনকর্তাকে না দেখেও ভয় করে এবং ~~নামায~~ Assalaat.কায়েম করে। যে কেউ নিজের সংশোধন করে, সে সংশোধন করে, স্বীয় কল্যাণের জন্যেই আল্লাহﷻর নিকটই সকলের প্রত্যাবর্তন।

Faatir (35:19)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا يَسْتَوِى ٱلْأَعْمَىٰ وَٱلْبَصِيرُ

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?
If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.
और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते
আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

The blind and the seeing are not alike;

अंधा और आँखोंवाला बराबर नहीं,

দৃষ্টিমান ও দৃষ্টিহীন সমান নয়।

Nor are the depths of Darkness and the Light;

और न अँधेरे और प्रकाश,

সমান নয় অন্ধকার ও আলো।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Faatir (35:21)

وَلَا ٱلظِّلُّ وَلَا ٱلْحَرُورُ

Nor are the (chilly) shade and the (genial) heat of the sun:

और न छाया और धूप

সমান নয় ছায়া ও তপ্তরোদ।

Faatir (35:22)

وَمَا يَسْتَوِي ٱلْأَحْيَآءُ وَلَا ٱلْأَمْوَٰتُ إِنَّ ٱللَّهَ يُسْمِعُ مَن يَشَآءُ وَمَآ أَنتَ بِمُسْمِعٍ مَّن فِى ٱلْقُبُورِ

Nor are alike those that are living and those that are dead.

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Allah ﷻ can make any that He wills to hear; but thou canst not make those to hear who are (buried) in graves.

और न जीवित और मृत बराबर है। निश्चय ही अल्लाहﷻ जिसे चाहता है सुनाता है। तुम उन लोगों को नहीं सुना सकते, जो क़ब्रों में हो।

আরও সমান নয় জীবিত ও মৃত। আল্লাহﷻ শ্রবণ করান যাকে ইচ্ছা। আপনি কবরে শায়িতদেরকে শুনাতে সক্ষম নন।

Faatir (35:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا يَسْتَوِي ٱلْأَحْيَآءُ وَلَا ٱلْأَمْوَٰتُ إِنَّ ٱللَّهَ يُسْمِعُ مَن يَشَآءُ وَمَآ أَنتَ بِمُسْمِعٍ مَّن فِي ٱلْقُبُورِ

Nor are alike those that are living and those that are dead. Allahﷻ can make any that He wills to hear; but thou

canst not make those to hear who are (buried) in graves.

और न जीवित और मृत बराबर है। निश्चय ही अल्लाहﷻ जिसे चाहता है सुनाता है। तुम उन लोगों को नहीं सुना सकते, जो क़ब्रों में हो।

আরও সমান নয় জীবিত ও মৃত। আল্লাহﷻ শ্রবণ করান যাকে ইচ্ছা। আপনি কবরে শায়িতদেরকে শুনাতে সক্ষম নন।

Al-Hajj (22:17)

إِنَّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَٱلَّذِينَ هَادُوا۟ وَٱلصَّـٰبِـِٔينَ وَٱلنَّصَـٰرَىٰ وَٱلْمَجُوسَ وَٱلَّذِينَ أَشْرَكُوٓا۟ إِنَّ ٱللَّهَ يَفْصِلُ بَيْنَهُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ ۚ إِنَّ ٱللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ شَهِيدٌ

Those who believe (in the Qur'an), those who follow the Jewish (scriptures), and the Sabians, Christians, Magians,

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

and Polytheists,- Allahﷻ will judge between them on the Day of Judgment: for Allahﷻ is witness of all things.

जो लोग ईमान लाए और जो यहूदी हुए और साबिई और ईसाई और मजूस और जिन लोगों ने शिर्क किया - इस सबके बीच अल्लाहﷻ क़ियामत के दिन फ़ैसला कर देगा। निस्संदेह अल्लाहﷻ की दृष्टि में हर चीज़ है

যারা মুসলমান, যারা ইহুদী, সাবেয়ী, খ্রীষ্টান, অগ্নিপুজক এবং যারা মুশরেক, কেয়ামতের দিন আল্লাহﷻ অবশ্যই তাদের মধ্যে ফায়সালা করে দেবেন। সবকিছুই আল্লাহﷻর দৃষ্টির সামনে।

Faatir (35:6)

إِنَّ ٱلشَّيْطَٰنَ لَكُمْ عَدُوٌّ فَٱتَّخِذُوهُ عَدُوًّا ۚ إِنَّمَا يَدْعُوا۟ حِزْبَهُۥ لِيَكُونُوا۟ مِنْ أَصْحَٰبِ ٱلسَّعِيرِ

الله ﷻ

Verily Satan is an enemy to you: so treat him as an enemy. He only invites his adherents, that they may become Companions of the Blazing Fire.

ﷻالله

निश्चय ही शैतान तुम्हारा शत्रु है। अतः तुम उसे शत्रु ही समझो। वह तो अपने गिरोह को केवल इसी लिए बुला रहा है कि वे दहकती आगवालों में सम्मिलित हो जाएँ

ﷻالله

শয়তান তোমাদের শত্রু; অতএব তাকে শত্রু রূপেই গ্রহণ কর। সে তার দলবলকে আহবান করে যেন তারা জাহান্নামী হয়।

Faatir (35:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۖ وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَعَمِلُوا۟ ٱلصَّٰلِحَٰتِ لَهُم مَّغْفِرَةٌ وَأَجْرٌ كَبِيرٌ

For those who reject Allahﷻ, is a terrible Penalty: but for

those who believe and work righteous deeds, is Forgiveness, and a magnificent Reward.

वे लोग है कि जिन्होंने इनकार किया उनके लिए कठोर यातना है। किन्तु जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए क्षमा और बड़ा प्रतिदान है

যারা কুফর করে তাদের জন্যে রয়েছে কঠোর আযাব। আর যারা ঈমান আনে ও সৎকর্ম করে, তাদের জন্যে রয়েছে ক্ষমা ও মহা পুরস্কার।

أَفَمَن زُيِّنَ لَهُۥ سُوٓءُ عَمَلِهِۦ فَرَءَاهُ حَسَنًا فَإِنَّ ٱللَّهَ يُضِلُّ مَن يَشَآءُ وَيَهْدِى مَن يَشَآءُ فَلَا تَذْهَبْ نَفْسُكَ عَلَيْهِمْ حَسَرَٰتٍ إِنَّ ٱللَّهَ عَلِيمٌۢ بِمَا يَصْنَعُونَ

Is he, then, to whom the evil of his conduct is made alluring, so that he looks upon it as good, (equal to one who is rightly guided)? For Allahﷻ leaves to stray whom Heﷻ wills, and guides whom Heﷻ wills. So let not thy soul go out in (vainly) sighing after them: for Allahﷻ knows well all that they do!

फिर क्या वह व्यक्ति जिसके लिए उसका बुरा कर्म सुहाना बना दिया गया हो और वह उसे अच्छा दिख रहा हो (तो क्या वह बुराई को छोड़ेगा)? निश्चय ही अल्लाहﷻ जिसे चाहता है मार्ग से वंचित रखता है और जिसे चाहता है सीधा मार्ग दिखाता है। अतः उनपर अफ़सोस करते-करते तुम्हारी जान न जाती रहे। अल्लाहﷻ भली-भाँति जानता है जो कुछ वे रच रहे है

যাকে মন্দকর্ম শোভনীয় করে দেখানো হয়, সে তাকে উত্তম মনে করে, সে কি সমান যে মন্দকে মন্দ মনে করে। নিশ্চয় আল্লাহﷻ যাকে ইচ্ছা পথভ্রষ্ট করেন এবং যাকে ইচছা সৎপথ প্রদর্শন করেন। সুতরাং আপনি তাদের জন্যে অনুতাপ করে

নিজেকে ধ্বংস করবেন না। নিশ্চয়ই আল্লাহ্ﷻ জানেন তারা যা করে।

Faatir (35:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱللَّهُ ٱلَّذِيٓ أَرۡسَلَ ٱلرِّيَٰحَ فَتُثِيرُ سَحَابٗا فَسُقۡنَٰهُ إِلَىٰ بَلَدٖ مَّيِّتٖ فَأَحۡيَيۡنَا بِهِ ٱلۡأَرۡضَ بَعۡدَ مَوۡتِهَاۚ كَذَٰلِكَ ٱلنُّشُورُ

It is Allahﷻ Who sends forth the Winds, so that they raise up the Clouds, and We drive them to a land that is dead, and revive the earth therewith after its death: even so (will be) the Resurrection!

अल्लाहﷻ ही तो है जिसने हवाएँ चलाई फिर वह बादलों को उभारती है, फिर हम उसे किसी शुष्क और निर्जीव भूभाग की ओर ले गए, और उसके द्वारा हमने धरती को उसके मुर्दा हो जाने के

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

पश्चात जीवित कर दिया। इसी प्रकार (लोगों का नए सिरे से) जीवित होकर उठना भी है

আল্লাহﷻই বায়ু প্রেরণ করেন, অতঃপর সে বায়ু মেঘমালা সঞ্চারিত করে। অতঃপর আমি তা মৃত ভূ-খন্ডের দিকে পরিচালিত করি, অতঃপর তদ্বারা সে ভূ-খন্ডকে তার মৃত্যুর পর সঞ্জীবিত করে দেই। এমনিভাবে হবে পুনরুত্থান।

Faatir (35:10)

مَن كَانَ يُرِيدُ ٱلْعِزَّةَ فَلِلَّهِ ٱلْعِزَّةُ جَمِيعًا إِلَيْهِ يَصْعَدُ ٱلْكَلِمُ ٱلطَّيِّبُ وَٱلْعَمَلُ ٱلصَّٰلِحُ يَرْفَعُهُۥ وَٱلَّذِينَ يَمْكُرُونَ ٱلسَّيِّـَٔاتِ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ وَمَكْرُ أُو۟لَٰٓئِكَ هُوَ يَبُورُ

If any do seek for glory and power,- to Allahﷻ belong all glory and power. To Him mount up (all) Words of Purity: It is He Who exalts each Deed of Righteousness. Those that

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

lay Plots of Evil,- for them is a Penalty terrible; and the plotting of such will be void (of result).

जो कोई प्रभुत्व चाहता हो तो प्रभुत्व तो सारा का सारा अल्लाहﷻ के लिए है। उसी की ओर अच्छा-पवित्र बोल चढ़ता है और अच्छा कर्म उसे ऊँचा उठाता है। रहे वे लोग जो बुरी चालें चलते है, उनके लिए कठोर यातना है और उनकी चालबाज़ी मटियामेट होकर रहेगी

কেউ সম্মান চাইলে জেনে রাখুন, সমস্ত সম্মান আল্লাহﷻরই জন্যে। তাঁরই দিকে আরোহণ করে সৎবাক্য এবং সৎকর্ম তাকে তুলে নেয়। যারা মন্দ কার্যের চক্রান্তে লেগে থাকে, তাদের জন্যে রয়েছে কঠোর শাস্তি। তাদের চক্রান্ত ব্যর্থ হবে।

وَٱللَّهُ خَلَقَكُم مِّن تُرَابٍ ثُمَّ مِن نُّطْفَةٍ ثُمَّ جَعَلَكُمْ أَزْوَٰجًا وَمَا تَحْمِلُ مِنْ أُنثَىٰ وَلَا تَضَعُ إِلَّا بِعِلْمِهِۦ وَمَا

يُعَمَّرُ مِن مُّعَمَّرٍ وَلَا يُنقَصُ مِنْ عُمُرِهِۦٓ إِلَّا فِى كِتَٰبٍ ۚ إِنَّ ذَٰلِكَ عَلَى ٱللَّهِ يَسِيرٌ

And Allahﷻ did create you from dust; then from a sperm-drop; then He اللهﷻmade you in pairs. And no female conceives, or lays down (her load), but with His knowledge. Nor is a man long-lived granted length of days, nor is a part cut off from his life, but is in a Decree (ordained). All this is easy to Allah.ﷻ

अल्लाहﷻ ने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर तुम्हें जोड़े-जोड़े बनाया। उसके ज्ञान के बिना न कोई स्त्री गर्भवती होती है और न जन्म देती है। और जो कोई आयु को प्राप्ति करनेवाला आयु को प्राप्त करता है और जो कुछ उसकी आयु में कमी होती है। अनिवार्यतः यह सब एक किताब में लिखा होता है। निश्चय ही यह सब अल्लाहﷻ के लिए अत्यन्त सरल है

আল্লাহﷻ তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন মাটি থেকে, অতঃপর বীর্য

থেকে, তারপর করেছেন তোমাদেরকে যুগল। কোন নারী গর্ভধারণ করে না এবং সন্তান প্রসব করে না; কিন্তু তাঁর জ্ঞাতসারে। কোন বয়স্ক ব্যক্তি বয়স পায় না। এবং তার বয়স হ্রাস পায় না; কিন্তু তা লিখিত আছে কিতাবে। নিশ্চয় এটা আল্লাহﷻর পক্ষে সহজ।

Al-Baqara (2:164)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ فِي خَلْقِ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَٱخْتِلَٰفِ ٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ وَٱلْفُلْكِ ٱلَّتِي تَجْرِى فِي ٱلْبَحْرِ بِمَا يَنفَعُ ٱلنَّاسَ وَمَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ مِنَ ٱلسَّمَآءِ مِن مَّآءٍ فَأَحْيَا بِهِ ٱلْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا وَبَثَّ فِيهَا مِن كُلِّ دَآبَّةٍ وَتَصْرِيفِ ٱلرِّيَٰحِ وَٱلسَّحَابِ ٱلْمُسَخَّرِ بَيْنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلْأَرْضِ لَءَايَٰتٍ لِّقَوْمٍ يَعْقِلُونَ

Behold! in the creation of the heavens and the earth; in the alternation of the night and the day; in the sailing of the

ships through the ocean for the profit of mankind; in the rain which Allahﷻ Sends down from the skies, and the life which Heﷻ gives therewith to an earth that is dead; in the beasts of all kinds that He scatters through the earth; in the change of the winds, and the clouds which they Trail like their slaves between the sky and the earth;- (Here) indeed are Signs for a people that are wise.

निस्संदेह आकाशों और धरती की संरचना में, और रात और दिन की अदला-बदली में, और उन नौकाओं में जो लोगों की लाभप्रद चीज़े लेकर समुद्र (और नदी) में चलती है, और उस पानी में जिसे अल्लाहﷻ ने आकाश से उतारा, फिर जिसके द्वारा धरती को उसके निर्जीव हो जाने के पश्चात जीवित किया और उसमें हर एक (प्रकार के) जीवधारी को फैलाया और हवाओं को गर्दिश देने में और उन बादलों में जो आकाश और धरती के बीच (काम पर) नियुक्त होते है, उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो बुद्धि से काम लें

নিশ্চয়ই আসমান ও যমীনের সৃষ্টিতে, রাত ও দিনের বিবর্তনে

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

এবং নদীতে নৌকাসমূহের চলাচলে মানুষের জন্য কল্যাণ রয়েছে। আর আল্লাহ্ﷻ তা' আলা আকাশ থেকে যে পানি নাযিল করেছেন, তদ্দ্বারা মৃত যমীনকে সজীব করে তুলেছেন এবং তাতে ছড়িয়ে দিয়েছেন সবরকম জীব-জন্তু। আর আবহাওয়া পরিবর্তনে এবং মেঘমালার যা তাঁরই হুকুমের অধীনে আসমান ও যমীনের মাঝে বিচরণ করে, নিশ্চয়ই সে সমস্ত বিষয়ের মাঝে নিদর্শন রয়েছে বুদ্ধিমান সম্প্রদায়ের জন্যে।

Al-Baqara (2:168)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ كُلُوا۟ مِمَّا فِى ٱلْأَرْضِ حَلَٰلًا طَيِّبًا وَلَا تَتَّبِعُوا۟ خُطُوَٰتِ ٱلشَّيْطَٰنِ إِنَّهُۥ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ

O ye people! Eat of what is on earth, Lawful and good; and do not follow the footsteps of the evil one, for he is to you an avowed enemy.

ऐ लोगों! धरती में जो हलाल और अच्छी-सुथरी चीज़ें हैं उन्हें खाओ और शैतान के पदचिन्हों पर न चलो। निस्संदेह वह तुम्हारा खुला शत्रु है

হে মানব মন্ডলী, পৃথিবীর হালাল ও পবিত্র বস্তু-সামগ্রী ভক্ষন কর। আর শয়তানের পদাঙ্ক অনুসরণ করো না। সে নিঃসন্দেহে তোমাদের প্রকাশ্য শত্রু।

Al-Baqara (2:169)

إِنَّمَا يَأۡمُرُكُم بِٱلسُّوٓءِ وَٱلۡفَحۡشَآءِ وَأَن تَقُولُواْ عَلَى ٱللَّهِ مَا لَا تَعۡلَمُونَ

For he commands you what is evil and shameful, and that ye should say of Allah ﷻ that of which ye have no knowledge.

वह तो बस तुम्हें बुराई और अश्लीलता पर उकसाता है और इसपर कि तुम अल्लाहﷻ पर थोपकर वे बातें कहो जो तुम नहीं जानते

সে তো এ নির্দেশই তোমাদিগকে দেবে যে, তোমরা অন্যায় ও অশ্লীল কাজ করতে থাক এবং আল্লাহﷻর প্রতি এমন সব বিষয়ে মিথ্যারোপ কর যা তোমরা জান না।

Al-Baqara (2:172)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ كُلُوا۟ مِن طَيِّبَٰتِ مَا رَزَقْنَٰكُمْ وَٱشْكُرُوا۟ لِلَّهِ إِن كُنتُمْ إِيَّاهُ تَعْبُدُونَ

O ye who believe! Eat of the good things that We have provided for you, and be grateful to Allahﷻ, if it is Him ye worship.

ऐ ईमान लानेवालो! जो अच्छी-सुथरी चीज़ें हमاللهﷻने तुम्हें प्रदान की

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

हैं उनमें से खाओ और अल्लाहﷻ के आगे कृतज्ञता दिखलाओ, यदि तुम उसी की बन्दगी करते हो

হে ঈমানদারগণ, তোমরা পবিত্র বস্তু সামগ্রী আহার কর, যেগুলো আমিاللهﷻ তোমাদেরকে রুযী হিসাবে দান করেছি এবং শুকরিয়া আদায় কর আল্লাহﷻর, যদি তোমরা তাঁরই বন্দেগী কর।

Aal-i-Imraan (3:15)

قُلْ أَؤُنَبِّئُكُم بِخَيْرٍ مِّن ذَٰلِكُمْ لِلَّذِينَ ٱتَّقَوْا۟ عِندَ رَبِّهِمْ جَنَّٰتٌ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ خَٰلِدِينَ فِيهَا وَأَزْوَٰجٌ مُّطَهَّرَةٌ وَرِضْوَٰنٌ مِّنَ ٱللَّهِ وَٱللَّهُ بَصِيرٌۢ بِٱلْعِبَادِ

Say: Shall I give you glad tidings of things Far better than those? For the righteous are Gardens in nearness to their Lord, with rivers flowing beneath; therein is their eternal

home; with companions pure (and holy); and the good pleasure of Allahﷻ. For in Allah'ﷻs sight are (all) His servants,-

कहो, "क्या मैं तुम्हें इनसे उत्तम चीज का पता दूँ?" जो लोग अल्लाहﷻ का डर रखेंगे उनके लिए उनके रब के पास बाग़ है, जिनके नीचे नहरें बह रहीं होगी। उनमें वे सदैव रहेंगे। वहाँ पाक-साफ़ जोड़े होंगे और अल्लाहﷻ की प्रसन्नता प्राप्त होगी। और अल्लाहﷻ अपने बन्दों पर नज़र रखता है

বলুন, আমি কি তোমাদেরকে এসবের চাইতেও উত্তম বিষয়ের সন্ধান বলবো?-যারা পরহেযগার, আল্লাহﷻর নিকট তাদের জন্যে রয়েছে বেহেশত, যার তলদেশে প্রস্রবণ প্রবাহিত-তারা সেখানে থাকবে অনন্তকাল। আর রয়েছে পরিচ্ছন্ন সঙ্গিনীগণ এবং আল্লাহﷻর সন্তুষ্টি। আর আল্লাহﷻ তাঁর বান্দাদের প্রতি সুদৃষ্টি রাখেন।

⫸Aal-i-Imraan (3:16)

ٱلَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَآ إِنَّنَآ ءَامَنَّا فَٱغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَقِنَا عَذَابَ ٱلنَّارِ

(Namely), those who say: "Our Lord!ﷻ we have indeed believed: forgive us, then, our sins, and save us from the agony of the Fire;"-

ये वे लोग है जो कहते है, "हमारे रबﷻ हम ईमान लाए है। अतः हमारे गुनाहों को क्षमा कर दे और हमें आग (जहन्नम) की यातना से बचा ले।"

যারা বলে, হে আমাদের পালনকর্তা,ﷻ আমরা ঈমান এনেছি, কাজেই আমাদের গোনাহ ক্ষমা করে দাও আর আমাদেরকে দোযখের আযাব থেকে রক্ষা কর।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

█⋙Al-Mujaadila (58:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَّا تَجِدُ قَوْمًا يُؤْمِنُونَ بِٱللَّهِ وَٱلْيَوْمِ ٱلْـَٔاخِرِ يُوَآدُّونَ مَنْ حَآدَّ ٱللَّهَ وَرَسُولَهُۥ وَلَوْ كَانُوٓا۟ ءَابَآءَهُمْ أَوْ أَبْنَآءَهُمْ أَوْ إِخْوَٰنَهُمْ أَوْ عَشِيرَتَهُمْ أُو۟لَـٰٓئِكَ كَتَبَ فِى قُلُوبِهِمُ ٱلْإِيمَـٰنَ وَأَيَّدَهُم بِرُوحٍ مِّنْهُ وَيُدْخِلُهُمْ جَنَّـٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَـٰرُ خَـٰلِدِينَ فِيهَا رَضِىَ ٱللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا۟ عَنْهُ أُو۟لَـٰٓئِكَ حِزْبُ ٱللَّهِ أَلَآ إِنَّ حِزْبَ ٱللَّهِ هُمُ ٱلْمُفْلِحُونَ

Thou wilt not find any people who believe in Allahﷻ and the Last Day, loving those who resist Allah ﷻand His Messenger, even though they were their fathers or their sons, or their brothers, or their kindred. For such He has written Faith in their hearts, and strengthened them with a spirit from Himself. And Heاللهﷻ will admit them to Gardens beneath which Rivers flow, to dwell therein (for ever). Allahﷻ will be well pleased with them, and they

with Him. They are the Party of Allahﷻ. Truly it is the Party of Allahﷻ that will achieve Felicity.

तुम उन लोगों को ऐसा कभी नहीं पाओगे जो अल्लाहﷻ और अन्तिम दि पर ईमान रखते है कि वे उन लोगों से प्रेम करते हो जिन्होंने अल्लाहﷻ और उसके रसूल का विरोध किया, यद्यपि वे उनके अपने बाप हों या उनके अपने बेटे हो या उनके अपने भाई या उनके अपने परिवारवाले ही हो। वही लोग हैं जिनके दिलों में अल्लाहﷻ ने ईमान को अंकित कर दिया है और अपनी ओर से एक आत्मा के द्वारा उन्हें शक्ति दी है। और उन्हें वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी; जहाँ वे सदैव रहेंगे। अल्लाहﷻ उनसे राज़ी हुआ और वे भी उससे राज़ी हुए। वे अल्लाहﷻ की पार्टी के लोग है। सावधान रहो, निश्चय ही अल्लाहﷻ की पार्टीवाले ही सफल है

যারা আল্লাহﷻ ও পরকালে বিশ্বাস করে, তাদেরকে আপনি আল্লাহﷻ ও তাঁর রসূলের বিরুদ্ধাচরণকারীদের সাথে বন্ধুত্ব করতে দেখবেন না, যদিও তারা তাদের পিতা, পুত্র, ভ্রাতা অথবা

জ্ঞাতি-গোষ্ঠী হয়। তাদের অন্তরে আল্লাহﷻ ঈমান লিখে দিয়েছেন এবং তাদেরকে শক্তিশালী করেছেন তাঁর অদৃশ্য শক্তি দ্বারা। তিনি তাদেরকে জান্নাতে দাখিল করবেন, যার তলদেশে নদী প্রবাহিত। তারা তথায় চিরকাল থাকবে। আল্লাহﷻ তাদের প্রতি সন্তুষ্ট এবং তারা আল্লাহﷻর প্রতি সন্তুষ্ট। তারাই আল্লাহﷻর দল। জেনে রাখ, আল্লাহﷻর দলই সফলকাম হবে।
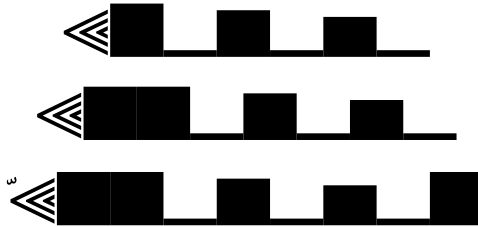
NIHAAYAH : CONCLUSION

Al-Baqara (2:163)

بسم الله الرحمن الرحيم

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

وَإِلَٰهُكُمْ إِلَٰهٌ وَٰحِدٌ لَّا إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلرَّحْمَٰنُ ٱلرَّحِيمُ

And your Allahﷻ is One Allahاللهﷻ: There is no god but He, اللهﷻMost Gracious, Most Merciful.

तुम्हारा पूज्य-प्रभु اللهﷻअकेला ALLAAHU-प्रभुاللهﷻ है, उस कृपाशील और दयावान के अतिरिक्त कोई الله नहीं

আর তোমাদের উপাস্য একইমাত্র উপাস্য। তিনি ছাড়া মহা করুণাময় দয়ালু কেউ নেই।

■⫸Al-Baqara (2:255)

ٱللَّهُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْحَىُّ ٱلْقَيُّومُ لَا تَأْخُذُهُۥ سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ لَّهُۥ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ مَن ذَا ٱلَّذِى يَشْفَعُ عِندَهُۥٓ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَىْءٍ مِّنْ عِلْمِهِۦٓ إِلَّا بِمَا

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

شَآءَ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ وَلَا يَـُٔودُهُۥ
حِفْظُهُمَا وَهُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْعَظِيمُ

Allahﷻ! There is no god but Heﷻ,-the Living, the Self-subsisting, Eternal. No slumber can seize Him nor sleep. His are all things in the heavens and on earth. Who is there can intercede in His presence except as He permitteth? He ﷻknoweth what (appeareth to His creatures as) before or after or behind them. Nor shall they compass aught of His knowledge except as He willeth. His Throne doth extend over the heavens and the earth, and Heﷻ feeleth no fatigue in guarding and preserving them for Heﷻ is the Most High, the Supreme (in glory).

अल्लाहﷻ कि जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, वह जीवन्त-सत्ता है, सबको सँभालने और क़ायम रखनेवाला है। उसेﷻ न ऊँघ लगती है और न निद्रा। उसी ﷻका है जो कुछ आकाशों में है और जो

कुछ धरती में है। कौन है जो उसके यहाँ उसकी अनुमति के बिना सिफ़ारिश कर सके? वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है। और वे उसके ज्ञान में से किसी चीज़ पर हावी नहीं हो सकते, सिवाय उसके जो उसने चाहा। उसकी कुर्सी (प्रभुता) आकाशों और धरती को व्याप्त है और उनकी सुरक्षा उसके लिए तनिक भी भारी नहीं और वहﷲ उच्च, महान है

আল্লাহﷲ ছাড়া অন্য কোন উপাস্য নেই, তিনি জীবিত, সবকিছুর ধারক। তাঁকে তন্দ্রাও স্পর্শ করতে পারে না এবং নিদ্রাও নয়। আসমান ও যমীনে যা কিছু রয়েছে, সবই তাঁর। কে আছ এমন, যে সুপারিশ করবে তাঁর কাছে তাঁর অনুমতি ছাড়া? দৃষ্টির সামনে কিংবা পিছনে যা কিছু রয়েছে সে সবই তিনি জানেন। তাঁর জ্ঞানসীমা থেকে তারা কোন কিছুকেই পরিবেষ্টিত করতে পারে না, কিন্তু যতটুকু তিনি ইচ্ছা করেন। তাঁর সিংহাসন সমস্ত আসমান ও যমীনকে পরিবেষ্টিত করে আছে। আর সেগুলোকে ধারণ করা তাঁর পক্ষে কঠিন নয়। তিনিﷲই সর্বোচ্চ এবং সর্বাপেক্ষা মহান।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

■ ■ ■

■⋙Al-Baqara (2:256)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَآ إِكۡرَاهَ فِى ٱلدِّينِ قَد تَّبَيَّنَ ٱلرُّشۡدُ مِنَ ٱلۡغَىِّ فَمَن يَكۡفُرۡ بِٱلطَّٰغُوتِ وَيُؤۡمِنۢ بِٱللَّهِ فَقَدِ ٱسۡتَمۡسَكَ بِٱلۡعُرۡوَةِ ٱلۡوُثۡقَىٰ لَا ٱنفِصَامَ لَهَا وَٱللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ

Let there be no compulsion in religion: Truth stands out clear from Error: whoever rejects evil and believes in Allahﷻ hath grasped the most trustworthy hand-hold, that never breaks. And Allahﷻ heareth and knoweth all things.

धर्म के विषय में कोई ज़बरदस्ती नहीं। सही बात नासमझी की बात से अलग होकर स्पष्ट हो गई है। तो अब जो कोई बढ़े हुए सरकश को ठुकरा दे और अल्लाहﷻ पर ईमान लाए, उसने ऐसा मज़बूत सहारा थाम लिया जो कभी टूटनेवाला नहीं। अल्लाहﷻ सब कुछ सुनने, जाननेवाला है

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

দ্বীনের ব্যাপারে কোন জবরদস্তি বা বাধ্য-বাধকতা নেই। নিঃসন্দেহে হেদায়াত গোমরাহী থেকে পৃথক হয়ে গেছে। এখন যারা গোমরাহকারী 'তাগুত'দেরকে মানবে না এবং আল্লাহ ﷻতে বিশ্বাস স্থাপন করবে, সে ধারণ করে নিয়েছে সুদৃঢ় হাতল যা ভাংবার নয়। আর আল্লাহ ﷻ সবই শুনেন এবং জানেন।

⫸Al-Baqara (2:257)

﷽

ٱللَّهُ وَلِيُّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ يُخْرِجُهُم مِّنَ ٱلظُّلُمَٰتِ إِلَى ٱلنُّورِ وَٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَوْلِيَآؤُهُمُ ٱلطَّٰغُوتُ يُخْرِجُونَهُم مِّنَ ٱلنُّورِ إِلَى ٱلظُّلُمَٰتِ أُو۟لَٰٓئِكَ أَصْحَٰبُ ٱلنَّارِ هُمْ فِيهَا خَٰلِدُونَ

Allah ﷻ is the Protector of those who have faith: from the depths of darkness He الله ﷻ will lead them forth into light. Of those who reject faith the patrons are the evil ones:

from light they will lead them forth into the depths of darkness. They will be companions of the fire, to dwell therein (For ever).

जो लोग ईमान लाते है, अल्लाहﷻ उनका रक्षक और सहायक है। वह उन्हें अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाता है। रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया तो उनके संरक्षक बढ़े हुए सरकश है। वे उन्हें प्रकाश से निकालकर अँधेरों की ओर ले जाते है। वही आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है। वे उसी में सदैव रहेंगे

যারা ঈমান এনেছে, আল্লাহﷻ তাদের অভিভাবক। তাদেরকে তিনি বের করে আনেন অন্ধকার থেকে আলোর দিকে। আর যারা কুফরী করে তাদের অভিভাবক হচ্ছে তাগুত। তারা তাদেরকে আলো থেকে বের করে অন্ধকারের দিকে নিয়ে যায়। এরাই হলো দোযখের অধিবাসী, চিরকাল তারা সেখানেই থাকবে।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

█⫸Aal-i-Imraan (3:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱلَّذِي يُصَوِّرُكُمْ فِي ٱلْأَرْحَامِ كَيْفَ يَشَآءُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

Heﷲ ﷻ it is Who shapes you in the wombs as He pleases. There is no god but He,ﷲ ﷻ the Exalted in Might, the Wise.

वहीﷲ ﷻ हैं जो गर्भाशयों में, जैसा चाहता हैं, तुम्हारा रूप देता हैं। उस प्रभुत्वशाली,ﷲ ﷻ तत्वदर्शी के अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं

তিনিﷲ ﷻই সেই আল্লাহ,ﷻ যিনি তোমাদের আকৃতি গঠন করেন মায়ের গর্ভে, যেমন তিনি চেয়েছেন। তিনিﷲ ﷻ ছাড়া আর কোন উপাস্য নেই। তিনিﷲ ﷻ প্রবল পরাক্রমশীল, প্রজ্ঞাময়।

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

■⫸Aal-i-Imraan (3:7)

هُوَ ٱلَّذِيٓ أَنزَلَ عَلَيۡكَ ٱلۡكِتَٰبَ مِنۡهُ ءَايَٰتٞ مُّحۡكَمَٰتٌ هُنَّ أُمُّ ٱلۡكِتَٰبِ وَأُخَرُ مُتَشَٰبِهَٰتٞۖ فَأَمَّا ٱلَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمۡ زَيۡغٞ فَيَتَّبِعُونَ مَا تَشَٰبَهَ مِنۡهُ ٱبۡتِغَآءَ ٱلۡفِتۡنَةِ وَٱبۡتِغَآءَ تَأۡوِيلِهِۦۖ وَمَا يَعۡلَمُ تَأۡوِيلَهُۥٓ إِلَّا ٱللَّهُۗ وَٱلرَّٰسِخُونَ فِي ٱلۡعِلۡمِ يَقُولُونَ ءَامَنَّا بِهِۦ كُلّٞ مِّنۡ عِندِ رَبِّنَاۗ وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّآ أُوْلُواْ ٱلۡأَلۡبَٰبِ

Heﷲ ﷻ it is Who has sent down to thee the Book: In it are verses basic or fundamental (of established meaning); they are the foundation of the Book: others are allegorical. But those in whose hearts is perversity follow the part thereof that is allegorical, seeking discord, and searching for its hidden meanings, but no one knows its hidden meanings except Allah.ﷻ And those who are firmly grounded in knowledge say: "We believe in the Book; the whole of it is from our Lordﷲﷻ:" and none will grasp the

Message except men of understanding.

वहीاللهﷻ हैं जिसने तुमपर अपनी ओर से किताब उतारी, वे सुदृढ़ आयतें हैं जो किताब का मूल और सारगर्भित रूप हैं और दूसरी उपलक्षित, तो जिन लोगों के दिलों में टेढ़ हैं वे फ़ितना (गुमराही) का तलाश और उसके आशय और परिणाम की चाह में उसका अनुसरण करते हैं जो उपलक्षित हैं। जबकि उनका परिणाम बस अल्लाहﷻ ही जानता हैं, और वे जो ज्ञान में पक्के हैं, वे कहते हैं, "हम उसपर ईमान लाए, जो हर एक हमारे रबاللهﷻ ही की ओर से हैं।" और चेतते तो केवल वही हैं जो बुद्धि और समझ रखते हैं

তিনিاللهﷻই আপনার প্রতি কিতাব নাযিল করেছেন। তাতে কিছু আয়াত রয়েছে সুস্পষ্ট, সেগুলোই কিতাবের আসল অংশ। আর অন্যগুলো রূপক। সুতরাং যাদের অন্তরে কুটিলতা রয়েছে, তারা অনুসরণ করে ফিৎনা বিস্তার এবং অপব্যাখ্যার উদ্দেশে তন্মধ্যেকার রূপকগুলোর। আর সেগুলোর ব্যাখ্যা আল্লাহ ব্যতীত কেউ জানে না। আর যারা জ্ঞানে সুগভীর, তারা বলেনঃ আমরা এর প্রতি ঈমান এনেছি। এই সবই আমাদের পালনকর্তার পক্ষ

থেকে অবতীর্ণ হয়েছে। আর বোধশক্তি সম্পন্নেরা ছাড়া অপর কেউ শিক্ষা গ্রহণ করে না।

⫸Aal-i-Imraan (3:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

رَبَّنَا لَا تُزِغْ قُلُوبَنَا بَعْدَ إِذْ هَدَيْتَنَا وَهَبْ لَنَا مِن لَّدُنكَ رَحْمَةً إِنَّكَ أَنتَ ٱلْوَهَّابُ

"Our Lordﷻ!" (they say), "Let not our hearts deviate now after Thou hast guided us, but grant us mercy from Thine own Presence; for Thou art the Grantor of bounties without measure.

हमारे रब!ﷻ जब तू हमें सीधे मार्ग पर लगा चुका है तो इसके पश्चात हमारे दिलों में टेढ़ न पैदा कर और हमें अपने पास से दयालुता प्रदान कर। निश्चय ही तू बड़ा दाता है

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

হে আমাদের পালনকর্তাﷲﷻ! সরল পথ প্রদর্শনের পর তুমি আমাদের অন্তরকে সত্যলংঘনে প্রবৃত্ত করোনা এবং তোমার নিকট থেকে আমাদিগকে অনুগ্রহ দান কর। তুমিই সব কিছুর দাতা।

Aal-i-Imraan (3:9)

رَبَّنَآ إِنَّكَ جَامِعُ ٱلنَّاسِ لِيَوْمٍ لَّا رَيْبَ فِيهِ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُخْلِفُ ٱلْمِيعَادَ

"Our Lord! Thou art He that will gather mankind Together against a day about which there is no doubt; for Allahﷻ never fails in His promise."

हमारे रब! तू लोगों को एक दिन इकट्ठा करने वाला है, जिसमें कोई संदेह नही। निस्सन्देह अल्लाहﷻ अपने वचन के विरुद्ध जाने वाला नही है

হে আমাদের পালনকর্তা! তুমি মানুষকে একদিন অবশ্যই একত্রিত করবেঃ এতে কোনই সন্দেহ নেই। নিশ্চয় আল্লাহﷻ তাঁর ওয়াদার অন্যথা করেন না।

█▁ █▁ █▁

█⫸Aal-i-Imraan (3:16)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَآ إِنَّنَآ ءَامَنَّا فَٱغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَقِنَا عَذَابَ ٱلنَّارِ

(Namely), those who say: "Our Lordاللهﷻ! we have indeed believed: forgive us, then, our sins, and save us from the agony of the Fire;"-

ये वे लोग है जो कहते है, "हमारे रबاللهﷻ हम ईमान लाए है। अतः हमारे गुनाहों को क्षमा कर दे और हमें आग (जहन्नम) की यातना से बचा ले।"

যারা বলে, হে আমাদের পালনকর্তা,ﷲ আমরা ঈমান এনেছি, কাজেই আমাদের গোনাহ ক্ষমা করে দাও আর আমাদেরকে দোযখের আযাব থেকে রক্ষা কর।

■▁ ■▁ ■▁

■⋙Aal-i-Imraan (3:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلصَّٰبِرِينَ وَٱلصَّٰدِقِينَ وَٱلْقَٰنِتِينَ وَٱلْمُنفِقِينَ وَٱلْمُسْتَغْفِرِينَ بِٱلْأَسْحَارِ

Those who show patience, Firmness and self-control; who are true (in word and deed); who worship devoutly; who spend (in the way of Allahﷻ); and who pray for forgiveness in the early hours of the morning.

ﷲ

ये लोग धैर्य से काम लेनेवाले, सत्यवान और अत्यन्त आज्ञाकारी है, ये ((अल्लाहﷻ के मार्ग में) खर्च करते और रात की अंतिम घड़ियों में

क्षमा की प्रार्थनाएँ करते हैं

ﷻالله

তারা ধৈর্য্যধারণকারী, সত্যবাদী, নির্দেশ সম্পাদনকারী, সৎপথে ব্যয়কারী এবং শেষরাতে ক্ষমা প্রার্থনাকারী।

▆▁ ▆▁ ▆▁

█⫸Aal-i-Imraan (3:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

شَهِدَ ٱللَّهُ أَنَّهُۥ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةُ وَأُو۟لُوا۟ ٱلْعِلْمِ
قَآئِمًۢا بِٱلْقِسْطِ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

There is no god but He: That is the witness of Allahﷻ, His angels, and those endued with knowledge, standing firm on justice. There is no god but Heﷻالله, the Exalted in Power, the Wise.

अल्लाहﷻ ने गवाही दी कि उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; और फ़रिश्तों ने और उन लोगों ने भी जो न्याय और संतुलन स्थापित

करनेवाली एक सत्ता को जानते है। उस प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी के सिवा कोई पूज्य नहीं

আল্লাহﷻ সাক্ষ্য দিয়েছেন যে, তাঁকে ছাড়া আর কোন উপাস্য নেই। ফেরেশতাগণ এবং ন্যায়নিষ্ঠ জ্ঞানীগণও সাক্ষ্য দিয়েছেন যে, তিনি ছাড়া আর কোন ইলাহ নেই। তিনি পরাক্রমশালী প্রজ্ঞাময়।

⫸Yunus (10:25)

وَٱللَّهُ يَدْعُوٓا۟ إِلَىٰ دَارِ ٱلسَّلَٰمِ وَيَهْدِى مَن يَشَآءُ إِلَىٰ صِرَٰطٍ مُّسْتَقِيمٍ

But Allahﷻ doth call to the Home of Peace: He doth guide whom He pleaseth to a way that is straight.

और अल्लाहﷻ तुम्हें सलामती के घर की ओर बुलाता है, और जिसे

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

चाहता है सीधी राह चलाता है;

আর আল্লাহﷻ শান্তি-নিরাপত্তার আলয়ের প্রতি আহবান জানান এবং যাকে ইচ্ছা সরলপথ প্রদর্শন করেন।

▆▁ ▆▁ ▆▁

▆⫸Al-Baqara (2:208)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱدْخُلُوا۟ فِى ٱلسِّلْمِ كَآفَّةً وَلَا تَتَّبِعُوا۟ خُطُوَٰتِ ٱلشَّيْطَٰنِ ۚ إِنَّهُۥ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ

O ye who believe! Enter into Islam whole-heartedly; and follow not the footsteps of the evil one; for he is to you an avowed enemy.

ऐ ईमान लानेवालो! तुम सब इस्लाम में दाख़िल हो जाओ और शैतान के पदचिन्ह पर न चलो। वह तो तुम्हारा खुला हुआ शत्रु है

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

হে ঈমানদার গন! তোমরা পরিপূর্ণভাবে ইসলামের অন্তর্ভুক্ত হয়ে যাও এবং শয়তানের পদাংক অনুসরণ কর না। নিশ্চিত রূপে সে তোমাদের প্রকাশ্য শত্রু।

█⫸Al-Baqara (2:209)

فَإِن زَلَلْتُم مِّنۢ بَعْدِ مَا جَآءَتْكُمُ ٱلْبَيِّنَٰتُ فَٱعْلَمُوٓا۟ أَنَّ ٱللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ

If ye backslide after the clear (Signs) have come to you, then know that Allahﷻ is Exalted in Power,(and is) all-Wise.

फिर यदि तुम उन स्पष्टा दलीलों के पश्चात भी, जो तुम्हारे पास आ चुकी है, फिसल गए, तो भली-भाँति जान रखो कि अल्लाहﷻ अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

অতঃপর তোমাদের মাঝে পরিস্কার নির্দেশ এসে গেছে বলে জানার পরেও যদি তোমরা পদস্খলিত হও, তাহলে নিশ্চিত জেনে রেখো, আল্লাহﷻ, পরাক্রমশালী, বিজ্ঞ।

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱرْكَعُوا۟ وَٱسْجُدُوا۟ وَٱعْبُدُوا۟ رَبَّكُمْ وَٱفْعَلُوا۟ ٱلْخَيْرَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ

O ye who believe! bow down, prostrate yourselves, and adore your Lordاللهﷻ; and do good; that ye may prosper.

ऐ ईमान लानेवालो! झुको और सजदा करो और अपने रबاللهﷻ की बन्दही करो और भलाई करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो

হে মুমিনগণ! তোমরা রুকু কর, সেজদা কর, তোমাদের পালনকর্তারاللهﷻ এবাদত কর এবং সৎকাজ সম্পাদন কর,

যাতে তোমরা সফলকাম হতে পার।

█▁ █▁ █▁

█⫸Al-A'raaf (7:180)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلِلَّهِ ٱلْأَسْمَآءُ ٱلْحُسْنَىٰ فَٱدْعُوهُ بِهَا وَذَرُوا۟ ٱلَّذِينَ يُلْحِدُونَ فِىٓ أَسْمَٰٓئِهِۦ سَيُجْزَوْنَ مَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

The most beautiful names belong to Allah:ﷻ so call on him by them; but shun such men as use profanity in his names: for what they do, they will soon be requited.

अच्छे नाम अल्लाहﷻ ही के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते है, उसका बदला वे पाकर रहेंगे

আর আল্লাহﷻর জন্য রয়েছে সব উত্তম নাম। কাজেই সে

নাম ধরেই তাঁকে ডাক। আর তাদেরকে বর্জন কর, যারা তাঁর নামের ব্যাপারে বাঁকা পথে চলে। তারা নিজেদের কৃতকর্মের ফল শীঘ্রই পাবে।

██⫸Az-Zumar (39:9)

أَمَّنْ هُوَ قَٰنِتٌ ءَانَآءَ ٱلَّيْلِ سَاجِدًا وَقَآئِمًا يَحْذَرُ ٱلْءَاخِرَةَ وَيَرْجُوا۟ رَحْمَةَ رَبِّهِۦ ۗ قُلْ هَلْ يَسْتَوِى ٱلَّذِينَ يَعْلَمُونَ وَٱلَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۗ إِنَّمَا يَتَذَكَّرُ أُو۟لُوا۟ ٱلْأَلْبَٰبِ

Is one who worships devoutly during the hour of the night prostrating himself or standing (in adoration), who takes heed of the Hereafter, and who places his hope in the Mercy of his Lordﷻ - (like one who does not)? Say: "Are those equal, those who know and those who do not know? It is those who are endued with understanding that receive admonition.

(क्या उक्त व्यक्ति अच्छा है) या वह व्यक्ति जो रात की घड़ियों में सजदा करता और खड़ा रहता है, आख़िरत से डरता है और अपने रबﷲ ﷻ की दयालुता की आशा रखता हुआ विनयशीलता के साथ बन्दगी में लगा रहता है? कहो, "क्या वे लोग जो जानते है और वे लोग जो नहीं जानते दोनों समान होंगे? शिक्षा तो बुद्धि और समझवाले ही ग्रहण करते है।"

যে ব্যক্তি রাত্রিকালে সেজদার মাধ্যমে অথবা দাঁড়িয়ে এবাদত করে, পরকালের আশংকা রাখে এবং তার পালনকর্তারﷲ ﷻ রহমত প্রত্যাশা করে, সে কি তার সমান, যে এরূপ করে না; বলুন, যারা জানে এবং যারা জানে না; তারা কি সমান হতে পারে? চিন্তা-ভাবনা কেবল তারাই করে, যারা বুদ্ধিমান।

█▁ █▁ █▁

█⫸Az-Zumar (39:10)

قُلْ يَٰعِبَادِ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّقُوا۟ رَبَّكُمْ لِلَّذِينَ أَحْسَنُوا۟ فِى هَٰذِهِ ٱلدُّنْيَا حَسَنَةٌ وَأَرْضُ ٱللَّهِ وَٰسِعَةٌ إِنَّمَا يُوَفَّى

ٱلصَّٰبِرُونَ أَجْرَهُم بِغَيْرِ حِسَابٍ

ﷲﷻ

Say: "O ye my servants who believe! Fear your Lordﷲﷻ, good is (the reward) for those who do good in this world. Spacious is Allah'ﷻs earth! those who patiently persevere will truly receive a reward without measure!"

ﷲﷻ

कह दो कि "ऐ मेरे बन्दो, जो ईमान लाए हो! अपने रबﷲﷻ का डर रखो। जिन लोगों ने अच्छा कर दिखाया उनके लिए इस संसार में अच्छाई है, और अल्लाहﷻ की धरती विस्तृत है। जमे रहनेवालों को तो उनका बदला बेहिसाब मिलकर रहेगा।"

ﷲﷻ

বলুন, হে আমার বিশ্বাসী বান্দাগণ! তোমরা তোমাদের পালনকর্তাকেﷲﷻ ভয় কর। যারা এ দুনিয়াতে সৎকাজ করে, তাদের জন্যে রয়েছে পুণ্য। আল্লাহﷻর পৃথিবী প্রশস্ত। যারা সবরকারী, তারাই তাদের পুরস্কার পায় অগণিত।

■⫸Yunus (10:26)

لِلَّذِينَ أَحْسَنُوا۟ ٱلْحُسْنَىٰ وَزِيَادَةٌ ۖ وَلَا يَرْهَقُ وُجُوهَهُمْ قَتَرٌ وَلَا ذِلَّةٌ ۚ أُو۟لَـٰٓئِكَ أَصْحَـٰبُ ٱلْجَنَّةِ ۖ هُمْ فِيهَا خَـٰلِدُونَ

To those who do right is a goodly (reward)- Yea, more (than in measure)! No darkness nor shame shall cover their faces! they are companions of the garden; they will abide therein (for aye)!

अच्छे से अच्छा कर्म करनेवालों के लिए अच्छा बदला है और इसके अतिरिक्त और भी। और उनके चहरों पर न तो कलौस छाएगी और न ज़िल्लत। वही जन्नतवाले है; वे उसमें सदैव रहेंगे

যারা সৎকর্ম করেছে তাদের জন্য রয়েছে কল্যাণ এবং তারও চেয়ে বেশী। আর তাদের মুখমন্ডলকে আবৃত করবে না মলিনতা কিংবা অপমান। তারাই হল জান্নাতবাসী, এতেই তারা বসবাস করতে থাকবে অনন্তকাল।

■▶Al-Hajj (22:14)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱللَّهَ يُدْخِلُ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَعَمِلُوا۟ ٱلصَّٰلِحَٰتِ جَنَّٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ إِنَّ ٱللَّهَ يَفْعَلُ مَا يُرِيدُ

Verily Allahﷻ will admit those who believe and work righteous deeds, to Gardens, beneath which rivers flow: for Allah ﷻcarries out all that He plans.

निश्चय ही अल्लाहﷻ उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, ऐसे बाग़ों में दाखिल करेगा, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। निस्संदेह अल्लाहﷻ जो चाहे करे

যারা বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম সম্পাদন করে, আল্লাহﷻ তাদেরকে জান্নাতে দাখিল করবেন, যার তলদেশ দিয়ে নির্ঝরণীসমূহ প্রবাহিত হয়। আল্লাহﷻ যা ইচ্ছা তাই করেন।

■_ ■_ ■_

■⫸Hud (11:108)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَمَّا ٱلَّذِينَ سُعِدُواْ فَفِى ٱلْجَنَّةِ خَٰلِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتِ ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ إِلَّا مَا شَآءَ رَبُّكَ عَطَآءً غَيْرَ مَجْذُوذٍ

And those who are blessed shall be in the Garden: They will dwell therein for all the time that the heavens and the earth endure, except as thy Lord ﷻ willeth: a gift without break.

रहे वे जो भाग्यशाली होंगे तो वे जन्नत में होंगे, जहाँ वे सदैव रहेंगे जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें। बात यह है कि तुम्हारे रबﷻ की इच्छा ही चलेगी। यह एक ऐसा उपहार है, जिसका सिलसिला कभी न टूटेगा

আর যারা সৌভাগ্যবান তারা বেহেশতের মাঝে, সেখানেই চিরদিন থাকবে, যতদিন আসমান ও যমীন বর্তমান থাকবে। তবে তোমার প্রভুﷲ অন্য কিছু ইচ্ছা করলে ভিন্ন কথা। এ দানের ধারাবাহিকতা কখনো ছিন্ন হওয়ার নয়।

తెలుగు"మెరికె"లు-యుద్ధవీరులు-/ అరబీలో"అమారిక/మారికః"అంటే యుద్ధం-ఆపేరుండే దేశాలన్నీ యుద్ధాలు చేయించటమే పనిగా పెట్టుకొన్నాయి-యుద్ధాలతోనే ,మొత్తంఅచ్చటి ఆదివాసులను సమూలసంహారంజేసి, వాళ్ళసర్వస్వాలనూ ఆక్రమించుకొన్న రాక్షసఅసురుల ఆలవాలాలీ మోడర్ను అమేరికన్,ఆస్ట్రేలియా దేశాలు- ఇతరుల ముడ్డిలోకత్తి పెట్టటమేవాళ్ళ ధ్యేయం- మూగిసూడటమే ప్రత్యేక హాబీ,

"Mareka"in Arabic denotes WAR.....So mAreka is always at War,War,War,No Peace...▁▃▅█Filistine, GAZA,GADDA.latest score. GodDisloyalDisrelyNasaara Yehudy Unabated Attrocities on UnArmed PeaceLoving , Allaahu-Fearing,Muslim Citizens ....
🕸02-30hours🕸2024-02-24🕸Heart Breaking News :-

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Marekan disreli
planned short term TARGET:-
2,00,000heads of Filistinian Muslims....tentatively revised to 500000+++colleteral damages..+

so far bombed,snuffed out and Killed....60,000+++++???many more dead buried under the Debris,Rubble,.....
Women.-Children,Newborn, yet to be born,Stillborn,onVentilator
30,000+++++???Missing
Missing.....90,000++"+???
injured blatantly gravely grieviously..wantonly....maimed..2,00,000++++???
Homes bombed ...4,00,000+++???
Houseless,Rootless,Foodless,Waterdeprived,Sick,Clothless,Unsupported,uncared for ,unwanted by the Modern CIVILIZED Demonocratic World........24,00,000..all muslims...

LongRangePlan of Mareko-DisrelyCombine..
Genocide and Ethnic Cleansing of all remaining muslims in Gaza(Gadda) and WestBank of RiverJordan...
A brown AfroAsian dog called sunakam,+Majoisys of different hues and colours are also actively aiding the Tyrants.with Money,Arms and Ammunitions,

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

PALESTINIAN (NON)AUTHORITY Unpopularly called P.A.

IS A STOOGE ORGANISATION FUNDED FLOATED AND Controlled BY THE MAREKANS AS AN EYE WASH TO MISLEAD THE JHOOTHIA WORLD.....PALESTINIAN (NON)AUTHORITY IS A STOOGE OF THE WEST ,A ScARE CROW, A PAPER TIGER ,SURREDERING MUSLIMS LANDS and Lives ,TO THE DISRELIS AT THE COMMAND OF ITS HANDLERS....MAREKA+THE WEST+THE REST+old and new SWASTIKAS.

DISRELis HAVE KILLED THOUSANDS OF YOUNG MUSLIMS IN tHE WEST BANK Area of P.A.

President of P.A or Resident ,ABBAS IS MATING THE WESTETNERS,MERELY WITNESSING THe MURDERS IN HIS OWN LAND... اب دهلی دور است ...فلیسطبن است

بيت المقدس بابري مسجد ......

P.A. HAS NO PHYSICAL CONTROL EVEN ON ITS CAPITAL RAMALLAH.

.DISRELIS WITH IMPUNITY , ENTER THE WHOLE OF PALESTINE WITH TANKS, BULLDOZERS,MILITARY ,JETS,BOMBERS,ETC.... AND MURDER YOUNG MUSLIMS TO REDUCE THE MUSLIM POPULATION....THOUSANDS OF MUSLIM HOMES HAVE BEEN BULLDOZED RIGHT UNDER THE NOSE OF ABBAS,THE GREAT PAPER TIGER CUM MAREKAN REMOTE-CONTROLLED PRESIDENT....HE IS PRESIDING OVER THE TOTAL ANnHILATION OF PALESTINIANS ....ENTIRE GAZA HAS BEEN DESTROYED ....SISI'S-A,R,EGYPT,,ANOTHER REMOTE CoNTROLLED MAREKAN STOOGE country, .AREgypt HAS CLOSED THE BORDERS FOR THE MUSLIM REFUGEES,FROM GAZA...,,WHERE SHOULD

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

THEY GO ..PLUNGE IN TO THE MEDITERRANIAN AND GET DROWNED???.. THIS IS DEMONOGRAPHIC ZENITH/HEiGHT OF HUMAN APATHY....
ABDULIAh OF JORDAN AND HIS AMERICAN WIFE ????
UAE and its Fashionable Sullataans,KSA underDJ MBS,DJ ABUMBS, toothless OiC,are all in the Marekan Kitty.
WHAT CAN BE EXPECTED FROM THE WELL KNOWN STOOGES OF THE WEST.???
WHAT A SHAME THAT SOME MUSLIM COUNTRIES ARE HUDDY BUDDY FRIENDLY WITH THE THE PERPETRATORS OF THEB MOST HENIOUS CRIMES AGANST THE HUMANITY.AND THE MUSIMS ?
Can't they Sever diplomatic ties with TalBeit/Yerushalom.....they can but?????
aMarekan fingers are tickling their rectal muscles....

■ ■■_■○ _▬_▬■_■○

●◆■●◆p■●◆ ■Gaza- A Sitting Duck And Practice Target -Testing Ground For New Arms since 108 long years,

Gaza- is blocked from all sides by ARE,Nasara Yehudy Combine-Gazans have only Two inevitable Choices to Quit this Ethereal World ....Face Bombardments and get decimated on land or Become Amphibians and Dive into the Mediterranean to commit Harakiri...Yehudis want Eretz Israel -Propogated through Haretz...the Land Of Not only Gaza but Also West Bank ,Half of ARE,
Half of KSA,Jordan,Lebanon,Syria,Yemen,North Africa ,Spain,Iran,Iraq,etc....where ever a sprinkle of their Money lending fore father's lived in the Forgotten Past,...Some more Lamblands are also digging into the bygone History to rectify now ,their perceived injustices of the long forgotten mysterical

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

History.....Their Latest Fad is To rewrite the Past History with the present blood of their perceived Foes...Khudos to the New Myantra -Science is Subjective to Superstition..నేలవిడిచి కఱ్ఱసాము చేసిన విధమున ,ఉట్టికెక్కలేనమ్మ ఆకసానికి యెగురు...నటుల.....
..Hence ,New Anti Gandhian forays into the Nasara yehudi slippery Realm....with folded hands ,tongue,and other paraphernalia....
Fancied Doggie Bhokchen...But the Canine with all its Feral Ferocity, so far,didn't bite the Mangoloid Neighbours,instead it is looking,with gleaming Feline eyes at a distant distractor, always fond of fishing in

Troubled H²Os,

কেনো আমাদের কুত্তাটা বর্বারে ভোখেছেনা ?
ইয় দোস্তি হামনাই চোডইঞ্জ,

अगाज तो अछा है , अंजाम खुदा जाने,
मिलतेही नजर तुमसे हम्होगये तेरे दीवाने,

A new फेटिश Fetish?

$$$$$$$$$$$$&&&&&&&&&$$$$$$$$$$

TRUE MUSLIMS JOIN THE MAINSTREAM UMMAH-CALLED MUSLIMS-CERTIFIED BY THE ALMIGHTY-AS MUSLIMS IN ALQURAN....WHO FOLLOW HANEEF IBRAHEEMA-A.S-AND MUAMMAD S,A,S

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ONLY-

72 DEVIANT GROUPS ARE NOT SUPPORTED-THEY SPORT DIFFERENT FALSTAAFFIAN ICONS,LABELS,LOGOS,EMOJIS,CHAMELIAN COLOURS-THE LATEST FAD BIEING ZAFARAANY_KAASHAAYA-LIKE ...SELF PROCLAIMED SELF-NOMINATED,SELF-NOMENCLATURED....DEVILPATHISTS,...BARREKABEERWEEY..ETC.....THEY FOLLOW DIFFERENT SOFTWARES DEVELOPED BY THEIR AABAA +AJDAAD OF RECENT PAST-DUELY PAMPERED BY THE IMPERIALIST BARTANWY,WHO GAVE THEM THE IDEA OF BEGGING BOWL-BARTAN + CONCEPT OF FISTFUND,

THEY FOLLOW ASSIDUOUSLY THEIR BOOZEROUGUES WITH GREAT DEVOTION+DEDICATION.,POMP,GLORY,BLOWRY,BHAJAN,BHOJAN,THENGAA-TENKAAYA,THEERTHAM,TABARRUK,NOOQQAL,ETC....... THEIR FAVOURITE SPORT IS TO VANDALIZE THE MASAAJIDU OF MUWAHHIDEEN AS AT

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్ఛినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

DICHPALLY-NZB,MADANAPALLE+PALAMNERCTR -TO CITE A FEW -THEY FAILED TO HOLD A SINGLE IJTEMAA AT FAIZABAD-BABRY MASJID-AND DID NOTHING FOR ITS PRESERVATION-CUM RESTORATION-- ONE CAN VISUALIZE THAT NAWWABY BHOPAL IS THEIR FAVOURITE HOTSPOT ,..AMASSING HUGEREALESTATE ASSETS IN THEIR INDIVIDUAL PERSONAL NAMES IS THE ONLY KARNAMAA -E- HAYAAT OF THESE 50:50 BEGBOWLMUTTIFUNDWYZAKATHHADAPES SINCE 1973.....HEADING FOR ENFORCED SELF LIQUIDATION ANY MOMENT....THE PROVERBIAL DEMOCLES ED-IT-PMLA-UCC-COMBO-GARLANDS ARE DAZZLING OVER THEIR HORIZONS.

ఉమ్మతుఇబరాహీము అంటే "మువహ్హిదులే"--- వాళ్ళు తక్క,తతిమ్మా72-అవి50:50గాకవేరేనా-అంటే నువ్వుసగంతినూ-నేనూ సగంతింటా-WHAT A SYMBIOTIC COMBINATIVE CARMINATIVE KHAAPEEKE KAPAAS ((లేటెస్టు బ్రేకింగు జ్యూసీ న్యూస్-ఈకాంమ్-భోజరాజద్వయ-దుయ్యూసుల షేరింగ్ ప్రపోర్షన్ ఫిగరు50;50-నుండి ఊర్ధ్వఉత్థాన ఫథంలో, ప్రొపల్షనల్ ," అప్ వర్డు-రివిజన్"తో30%-70%గామారిందట-యెండనక,వాననక,

ఆకాశవీధిలో ,హాయిగాయెగిరేవు,దేశదేశాలన్ని తిరిగిజూసేవో,రమదానునెలలో రంకెలేసేవో-ఓహోహో...డెవిల్బిందుముర్గారుచీలుముళ్ళూ!,

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?
If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.
और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते
আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

సఫేరీయాత్రలుజేసే,అరారరాజ్యాలతిరుగుబోతుకు-70%-రాలినకాడికిరాలనీ అనే ఆరాల్లైటుక్విక్పిక్సుస్టేషనరీ ఆంబోతుకు30% అట-దీనికి కారణం-ALL INDIA SAFEERY TRADE UNION గతకొన్ని సనవాతులగా ఎజిటేషను చేసి ధర్నాలూ గావించి,మేనేజిమేంటుతలలువంచింపజేసి,జనసముదాయాలను వంచించి, ,యొట్టకేలకు సంవత్ హిజిరీ1444లో గేలిచి తమ WITUC జెండాను పైకెగరేశారట- ,దీనికి సరేసర్ సర్దారు గా ముందుండి ఎజిటేషనును విజయపథంపై నడిపించి తమడిమాండ్సు,సాధింపజేసిన ఒంటికన్ను కామ్రేడు కామారెడ్డి పాటసాలకు చెందిన కెమల్ అటాటుర్క్ పాషా నట-తంలో ఆయన CITU,AITUC,BMS,లాంటి హేమాహేమీలవద్ద శుష్రూషలజేసి కుటిల,చాణక్యనీతులన్నీ నేర్చుకొని ,
ఈ ట్రేడింగుట్రేడు యూనియనుభాద్యతలను స్వీకరించి రట-ట్రేడుయూనియన్ అంటే మజాకానా!.....వాల్ల వుచ్చ పెట్రోల్ ......
యముడుకూడా దడుసుకోవాల్సిందే,))

-DISMISREALTIONSHIP-WONDER ME THUNDER-

THE PEANUT (ARACHIS HYPOGAEA),

#*Symbiosis (from Greek **συμβίωσις**, symbíōsis, "living together", from **σύν**, sýn, "together", and **βίωσις**, bíōsis, "living")[]

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

#*Symbiosis is any type of a close and long-term

biological interaction between two biological organisms

of different species, termed symbionts, be it

1-parasitic/

2-mutualistic,/

3-commensalistic,

or

4-_conmen brigandistic mysticalcruxycrucible Midasic

BasMaSauriya ChoooChaaa mullah Alkemy

*$Modern Mullahs Definition of Symbiosis,$

-here Symbiots are Two Samesex Same Species Same

Linga Lingo Limbo Silsilah Tufaily Weevil Deivil deiva

diving BANTUS

with a common vested interest of

"doosaronke Beton koo Alpha Betaa padhaanaa,

Roman Roman japnaaaaa

-Parayaa Maal Apnaaanaaaa + Zakaat Hadapnaa"

Haqeeqy Haqqdaaro ko laat marwaanaaaa++++++

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

మిల్కర్ లూటేంగే కోముకే మిల్కియతు-సంపదల-ను

ఆడుతు పాడుతు పనిచేస్తుటే అలుపూ సొలుపేమున్నదీ!

یہ دوستی ہم نہیں بھولینگے

جینا مرنا سنگ سنگ

قوم کولوچنا لوتنا ساتہ ساتہ

؟؟؟؟؟ఇద్దరు కలిసి చేయి కలిపితే కొదవే మున్నదీ!

మనకూ యేదురే మున్నదో!؟؟؟؟؟

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ఆస్తి-డబ్బు , శారీరిక , మానసిక , మేధో - వనరులను , తెలితేటలనూ, నేర్చుకొన్న విద్యలనూ , స్పెషాలిటీస్ **, expertise , eminence ,** పనితనాలనూ , వ్యర్థంగా , షైతా'ను మెచ్చే పనులలో **waste** చేసేవారు

- al-Israa-27-

◼ ✾ ◼ ✾ ◼

Shaharanpur Files-ఇదో గోబ్బర పట్టణమట-గది, యెంతో మంది పేద్ద పేద్ద గోప్ప్-గొప్ప బండితుండులకు ఆలవాలమట---

-(((ఇక్కడి **finished goods** వోల్ మొత్తం దేశదేశాలకు **export** ఔతారట-యెందుకంటే **factories** లో ః**demand** కు మించిన **output -production -** ఎక్కువగా **south** కే ఎగస్పోర్థవుతారట-

Palamaneru ,madanapalle +యెన్నోచోట్ల +++ " ముఫష్టీదు"ల మసీదులను కూల్చివేతలో వీళ్ళ కీలకపాత్ర-వుందని ఎక్సుపర్టు కామెంటేటర్ల ఉవాచ-

కహీ "బుఖారీ కా బుఖార్"((అంటే తౌహీదు-)) చఢేతో

ఇలాజ్ కర్తే హై కతీ యే దాష్టిక మూకలు-

సర్ఫిరా-సర్గరమ్ బఢ్చఢ్కర్ హిస్సా లేతే హై కతే- ఐసే

ఆహ్వరీ-రోబానీ కామోంమే--)))

బెజబ్లేజ్-వాడలో ఓ శాదీసుదా ,పిల్లాజెల్లావాలా

Shaharanpur షహరన్పూర్ముల్ల **mullaWasef-**వీ**weedu**

దీనీఇల్మ్ నేర్చుకొన్నాడట-చందాలకై విజయవాడకు

విచ్చేసిఓ మోజన్గారి పంచనజేరి తిన్నఇంటివాసాలుయెంచి

-లగ్గంపేరుతో ఓ మోజన్ -బిడ్డ-అన్బియాహ్-కన్యను

లేపుకపోయి ,అన్నీ చేసి ఆమె నగలన్నీదోచుకొని

Saharanpur Hatnikund reservoir లోకి తోసి సంపేడట

-Wasif promised her marriage and started a physical relationship. His wife got to know about it, so he tried to send the victim back to Vijayawada but she refused,” the police said.

Following this, Wasif decided to get rid of her with the help of his friend, Tayyab.They took her to Hatnikund reservoir on the pretext of site seeing

and pushed her in. They then stole the gold ornaments of the victim," Vijayawada police said.11-08-2021-Siasat urdu daily-వీడుపిల్లలకు యేసదువులుచెప్తాడబ్బో**-**అని అబ్బురపడిరిజనాలు**-**

Tayyab అంటే బెస్టు **best**అని అర్థం**---**వీడేమిటో ఇంత **worst**వర్స్టు**?**

......tip of the iceberg......తీగెకదిలిస్తే డొంక అంతా అదిరిపడతాదట**-**మూలీ సాంపుల ముల్లంగిలీలల విపులీకరించుటకు పేజీలుసాలవు**-**యెన్నో పాటసాలలలో **Sodom-**కౌములూత్ జేసిన పనికినిదర్శనాలు పోలీసురికార్డులలో వుండనేవుండే**-**

మచ్చుతునకలు**-**

<u>The Darkest side of the Teaching Houses And the Teacher preachers/or groper-poachers in dark alleys of Sodom valley- ....</u>

<u>Moolisaanp files from india,</u>

March 13, 2023-:-Kunnamkulam Fast Track Special POCSO Court Judge Lisha S has

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

announced a rare verdict. She sentenced a Madrassa teacher who molested a minor boy to 53 years of rigorous imprisonment and a fine of Rs 60,000 in Thrissur, Kerala. Madrassa Ustad Siddique Bakavi sexually abused the victims since January 2019 until he was caught.

Bakavi sodomized the victims at Pazhunnana, where he lived, and at Pannithadam mosque cum madrassa, where he taught.

some Madrassas and mosques have become dens for sexual atrocities against minors. ..Little girls and LKG.boys ...kaadedee d.....ki Anarhamu....PAALAAKANKULU O DAASAREE ANTE ...RAALINAKADIKIRALNEE ANNADATA AA DAASARI...YERAKUMEE KASUGAYALU....????? .?????

CHEPPEDI SIRIRANGANEETULOYEE !

DOOREDI DOMARAGUDISELONOYEE !

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ABHINAWA DASARIMULLAH MOOOOLAAAH...

YAADIKELLAALAAMAREEEEEEE.

OOORUGAANI OOOLLLLOOOOO MULLANGI

DURADA DOOLA YEL ,YEKKADA,

TERCHUKOWAALE????

DONT FORGET TO SUBSFRIBE TO OUR MULAAH MOOOLY CHANEL.??? DOING ARIJANASEVA

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

[[[[ఓ9నెంబరు **musali Nakka** సాయిబుగాని ఆప్-భీతీ-**Auto Biography**-సొంతడబ్బాకొంత **vaayimpudu]]]**చదువరుల ఎంటర్టేన్మెంటు

కోసం-

w³-Yt-Fb,Wup,X-??????యిత్యాదులన్నీయేంటో**?**అశ్లీలాలుకావా**?**

షైతాను సాంగత్యాలుగావా**??**గొల్లమాల-బేటుల్మాల**,**

ముర్తీపెండజకాతుహడపేబావ్లాబావలచేతులలోకూడా**G_5** కానవచ్చు**-**దర్శకులు

నిలదీసిఅడగాలి**-///**ఆరియా మహాశయనా**!!**మీకు**,**మాట్లాడేదానికి మామూలు

కీపేడ్ ఫోను సాలదా**?**అని**-**

ఇదేంవైపరీత్యమో**?** ప్రళయవిలయందగ్గరాయే**-((**లకద్**-**జాఅ అష్రాతుహా**)[[[** فقد

جاء أشراتها**)]]]the signs of ALQIYAAMA have since appeared prominantly,apparantly for the men of foresight/ooooolil absaaaaaar,,,,,,,only the blind can't see,,,**

ఇస్లాం మక్కా**,**మదీనలకే పరిమితమా**-barre kabaaeru lo**గోసాయిగోబర్ గ్యాసు దుమారం చెలరేగే**.**ఛిలుంగాంజాగూంగార్ఝూమ్నేకే దిన్ ఆహీగయే

naadaan bellamబాలం**!sajjan,saajan,**

((షైతానుయెన్తసిరు**)(**సాతాను గెలిచిగేళిచేస్తాడనే**))**అరబ్బులకథ

CIEFL-EFLU-2001లో అరబీలో సదివా**-))**

****

Tail piece-లఖనఊ నుండి **350**మిసిలిములు కాలినడకన

బాబ్రీవుండినచోటికివచ్చి యేదోతంతునామే **.........**

చేసిజన్మధన్యసార్ధకులాయేరట-(పాపీరస్ న్యూసు)

****

కలికాలపోగాలందాపురించిననేను కనను,వినన్నూ,మార్కొనన్నూ అని

సిన్నప్పుడు "మిత్రలాబం-మిత్రబేధం"లో సదివి **SSLC1962** తెలుగు

ఫస్టుపేపరులో లో **73%** మార్కులుతెచ్చుకోని **ZPHS,Mpl,**లో **2**ప్రైజు

కొట్టేసాన్-నాకంటే ఫస్టు,నాముందునిలిచినవాడు-నిమ్మనపల్లినారాయణరేడు-

వాడు **SSLC** తో పైసదువులకు ఫుల్స్టాపు పెట్టి,రైతుబిడ్డగ పొలందున్నే-

లగ్గంజేస్కోని సంసారంసాగదీసె-

మర్రైతే నాను,డాక్టరు కావాలనీ తిరపతి డబ్బారేకులకాలేజీలో

PUC(BiPC1963)లోజేరి,కాలేక-రబీంద్రనాథ్ఠాగోర్-గారి-"శాంతినికేత"న్లో

బెజవాడగోపాల్రెడ్డిలా నేనూ

కొంతసదివి-డిస్కంటిన్యూజేసేసా**1963-64-.........**అప్పురం-అంటే

taruwaayi తమిళ-చిత్తూరు తాటాకుల **GAS college**లో

BSc-BZC(-1968)అయిందనిపించా-

ఇగఉద్యోగపర్వం-**@Tirupathi,....ooorike unte oooraaa peraaa ani......Ontarigaadini.....**

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

SVUలో-**MA**డిగ్రీ ప్రైవేటుగా సంపాదిస్తి-అంతకు ముందే

ద.భా,హి.**Madras-now Chennai/Seenai/Sinai/**ప్రచారసభద్వారా

హిందీవిశారద-అయ్యిందనిపించా-

మా హిందీపండితుడు-చీరాలసుబ్బారావును మరువలేను-

****

ముహమ్మద్ రఫీగారి పుణ్యమా ఈపాట నాహ్రృదయాన్ని హత్తుకొని

కలతపేడుతూనే వుంది-ఓదశకం-నల్లచరితం తర్వాత

1978లో కంబం(**Cumbum**)లో "లబ్బైక్" చెప్పేసా!మధ్యలో జామఆతుల

సంపర్కాలలో **30**యేండ్లు వేస్తు-వృధా

ఆయే-గొడ్డుదాల్చా-బగారఖాన(**1979**షురూలో రూకలు**1/-**కే ఓప్లేట్)తిని

బ్రేవ్మని తేపులుతేన్చినా-గలీగలీమే గసాబుసాగష్తీలూ,పిల్లిమొగ్గలూ-

మర్కటగంతులూ-మసీదులలో లుంగీలటక్,జంగీర్ఝటక్-లూచేసినా-

యెవడూనాకు అరబీగ్రామరునేర్పలే-పైగాకుర్ఆను సదివితే

ఆగమాగంఐపోతవ్-అమీరుసెప్పిందేవేదం-అనిరి-ఒకేదైవం-ఒకేగ్రంథం,మరి**72 !**

యెందుకోఅని అడిగితే -మాబూజురోగులువేరే-వాల్ల**BoozeRougues**

వేరే-అని నీతులుసెప్పిరి-

యేదోవెలితి-గా ఫీల్ఔతుంటి--:-అదే తౌహీదు అని పకోడీదాసులుచెప్పిరి-

వాల్లపుస్తకాలలో సిర్ఫు ఔరు సిర్ఫు "కితాబు" వ "సున్నః" ప్రకారం వుంటే -

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

నేనంతవరకు సదివిన (చెత్త)సాహిత్యాలలో బూజురోగలకతలే మేండకులంతమెండు-ఇగ జామఆకులకు విడాకులూ-తిలోదకాలూఇచ్చేసి--అరబీరంగంలోకి దూకితి-ఆలిమాన పహల్వానీ చవిజూస్తి-ఇంతవరకూ **5** 0సార్లు హిజరతులుజేయాల్సివచ్చే-ఆఖిరకు నాసొంతఇల్లే వదలాల్సివచ్చే-అదరాబదరాగొల్లకొండశాలిబండఫిసలబండమేకలబండలపట్నంలో

Urdu-B.A,-2009//చేసి-**MAANU-**ఉర్దూ విశ్వవిద్యాయం**,GachhiBowli,**నుండీ **M,A.URDU-2014--**చేసా**-//**

CIEFL-EFLU-నుండీ **Arabic Diplomas (Graduate Level-2000_2004)**పూర్తిగావించి-కుర్ఆను అర్థంచేసుకోనే ప్రయత్నంలో మష్గూల్-బిజీగా వున్నా-

అరబీనేర్చుకొని (కుర్ఆను)'పారాయణంచేస్తున్నా-అల్ హమ్దులిల్లాహి-**310** సార్లుపూర్తిచేసా-ఈముర్దాజీవితంలో మొట్టమొదటి సారిగా "ఇత్మినాన్" అనుభూతి అంటేయేమిటో ఈకుర్ఆను చదవటంతోనే కలిగింది-

ఇంకేంకావాలినాకు!

****

70యేళ్ళ వడివరకూ **10-**డిగ్రీలు సంపాదించా-చివరిది అరబీ డిగ్రీ-లాస్ట్ బట్ దీ బేస్టు-మరి ఇంకేమీ అవసరంలేదు-

అరబీనేర్చుకోనివాడు پندیکیمی تلوسو پنّیرواسنا

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

స్వర్గవాసనకూడపొందడనే నా ఫర్మ్ బిలీఫ్-

మిసిలిమిముసిలిమానులారా-అరబీనహు,సర్ఫు!కవాఇదు-బలాగః,-నేర్చుకొని

జన్మలను తరింపజేసుకోవచ్చు-

1445 సంవత్సరాలైనా తెలుగులో ఇలాంటిగ్రామర్ బుక్ రాయాలనే తపన

యేఆలిములు,జాలిములూ,గాఫిలకూ కలగలే,

(((ఓకొత్తబిచ్చగాడు- తురకసమాజంకోసం రాసినవి)))

మీకోసం తెలుగు-ఆంగ్లభాషలలో అరబీపుస్తకాలు తయారుచేసా-

www.archive.org.telugu books లోకివెళ్లి-

అల్లాహు,అరబీ,నహు-సర్ఫు,తజ్వీదు,వ్యాకరణం **-Arabic Grammar,Arabic,Tajeeed,Arabic Syntax,Allaahu,**అనే సర్చ్ టేగ్సు**Search Tags** తో వెదికితే **........**చాలు-

కోత్తగా ఈకల్లోలసమాజంలోకిసాఅడుగు పెట్టే **9**నెంబర్లారా-

ముందు తోహీదు నేర్చుకోవడం ,ఆపై అరబీ జ్ఞానసముపార్జన మనపై

నున్నలాజిమ్,ఫర్జులు-కర్తవ్యాలు-తర్వాత మూడోది-మనఅంబియాలలా

రెక్కాడించి డొక్కాడించండి-ముఫ్తీఫెండలూ,ఖైరాతు బిఛ్ఛాలూ-

జకాతులుగైకొనకండి-సులేమాను,అ,స.గారుతన వట్టిచేతులతో

ఇనపకవచాలూ,యుద్ధపరికరాలూ తయారుజేసిరే-మరినేను

పిచ్చుకుంటలపోషయ్యలా అడుక్కతిని బేగారీ-బెగ్గర్సామ్రాట్టుకావాలా!ఇక్కడ

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ఆదరాబాదరాలో యెన్నో **9**నెంబర్లనుకలిసా-యెక్కువమందితాము-**9!**నెంబరు

తగిలించుకోవటంతో అల్లాహుతఆలా పై -మెహర్బానీ చేసినట్లు ఫీల్ఐ

కోతలుకోస్తున్నారూ-జేబులునింపు కొంటున్నారు-కడుపులను నరకాగ్నితో**!---**

మహాచేటు**--**

-అరబీ భాషనేర్చుకున్న **9'**నెంబరు నేనింత వరకూ సూడలే**,**కనలే**,**వినలే**,---**

అసలు వాల్ల రాడార్లలో అరబీలేదే**-**తౌహీదు మృగ్యం**-..**దర్గాలకూ**,**

ఆమిలలదగ్గరికిపోయే **9**శాల్తీలనూ కలిశా**-**సహీహ్ హదీలనూనిరాకరించే

గొప్ప**9**నెంబర్లూవుండనేవుండే**-**జమఆతులతో సంసారంగడిపే హాఫ్ బేక్డు కేక్**9**

లనూకలిసా**--**మొత్తానికి ధనమూలమిదంజగత్తు**-Money makes everything-**న బాప్ బడా ధ మయ్యా సబ్సే బడా రూపయ్యా**-**

అనేసత్యం కరోనాలా**,**హినీలా కొత్తతీరాలనూ కళుషితంజేస్తోంది**:--**

తెగినగాలిపటంలా**,**సుక్కానిలేని నావలా కొట్టుకపోతున్నా**:--**చివరకు తేలేది

గుడక గాడే**-**ఆఅగ్నిగుండంలోనే**-**దేనినుండి పారిపోయి**9**లేబల్

తగిలించుకొన్నానో**-**సగినాలుబలికేబల్లికుడితిలోపడినట్లు**-anthenaaa...**

జీవనధ్యేయం మబ్బు**-**ముబ్హమ్ గానే నిలిచే**-**

నిజానికి ఇస్లాంనిఅమతును నాకు గిఫ్టుజేసిన రబ్బుల్ఆలమీన-అల్లాహు**,**

తఆలా వారికి నేను సదా లొంగి**-**బంటునై రుణపడివుండాలే**-**గాని **......**

కోతలు యమ ఖతరనాక్**-koooyaku,**

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

సాపష్టువేరు కుర్ఆనుది ఇన్స్టాల్చేసుకోవాలి-బూజురోగుల.,జామఆకులకు

దూరంబాబూ-బహుదూరం-వర్స్తా,ఫలితాలు-నెగటివ్! బెనిఫిట్స్ ఈనేలపేనే-

అక్కడ హాహాకారాలూ,హాయ్ హాయ్ లే-

చివరిగా-ఇకనైనా వెంటనే "కుర్ఆను"ను "ఇమామ్" గనిలబెట్టుకొని-సరైన"

సిరాతుల్ ముస్తకీం"ను **selecet**చేసి "జన్నతు"వేపు **Navigate** చేస్తే -

పాతధందాలను దైవం మాఫ్ చేయగలరే-జన్మలు

తరింపగలవే-జామఆకులూ,బూజురోగులూ-భూతప్రేతాలఆమిలులూ-

మూరకముర్షదులూ-చింతకాయపుంగనూరులూ,నూకలుచెల్లిపోయిన"కుతుబు-

అక్తాబు"లూ, "వలీ-ఔలియాలూ-"లూ-అంతా మొహతాజులే-

యేసహాయంచేయలేనినిస్సహాయులే-ఆఒక్క అల్లాహు.సుబహానహూ, తప్ప--

ఈరోగాలకు చికిత్స మువహ్హిదుల వద్దమాత్రమే వుంది:-

"Count not your Islam as a favour . Nay, but Allah ﷻ has conferred a favour upon you, that He الله ﷻ has guided you to the Faith, if you indeed are true.

Al-Hujuraat (49:17)

يَمُنُّونَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوا قُل لَّا تَمُنُّوا عَلَيَّ إِسْلَامَكُم

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

بَلِ ٱللَّهُ يَمُنُّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدَىٰكُمْ لِلْإِيمَٰنِ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

આ લોકો તારા ઉપર એહસાન જતાવે છે કે તેઓએ ઇસ્લામને કબૂલ કર્યો કહે કે અમારા ઉપર તમારા ઇસ્લામનો એહસાન ન જતાવો, આ ખુદાનો એહસાન છે કે એણે તમને ઇમાન તરફ હિદાયત કરી અગર તમે (તમારા ઇમાન લાવવાના દાવામાં) સાચા છો.

वे तुमपर एहसान जताते है कि उन्होंने इस्लाम क़बूल कर लिया। कह दो, " मुझ पर अपने इस्लाम का एहसान न रखो, बल्कि यदि तुम सच्चे हो तो अल्लाह ही तुमपर एहसान रखता है कि उसने तुम्हें ईमान की राह दिखाई।-

তারা মুসলমান হয়ে আপনাকে ধন্য করেছে মনে করে। বলুন, তোমরা মুসলমান হয়ে আমাকে ধন্য করেছ মনে করো না। বরং আল্লাহ ঈমানের পথে পরিচালিত করে তোমাদেরকে ধন্য করেছেন, যদি তোমরা সত্যনিষ্ঠ হয়ে থাক।

They -9 muslims-regard as a favour upon you (O

Muhammad SAW) that they have embraced Islam. Say: "Count not your Islam as a favour upon me. Nay, but Allah ﷻ has conferred a favour upon you, that He ﷻ has guided you to the Faith, if you indeed are true.

49/17

ఈనాడే అరబీనేర్చుకోవాలా!వద్దా-?

****

Heretical BoozuRogula koo,MurashaduAamilalakoo,Turaga-Daragah lakoo bahudooramlo undawalen-dabbuto Ayaatulanu amme,mee zakaatulanu lutaainche Raabandulakooo kuchamaa kaasimeelakooo bahu bahu bahu doooooraammmmmmmm.

+*+*+*+*+*+*.

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

నోట్:-(1)-"రిజ్'కు" అంటే తిండేకాదు -అన్ని మానసిక ,శారీరిక నిత్యావశ్యకాలతో బాటు -మనసులకు నెమ్మదికలిగించే -"కుర్ఆను" ఇల్మకూడ included- కానీ మిడిమిడి అరబీ knowledge తో కొందరు చేసిన తర్జుమాలు నాసిరకాలే-వాళ్ళదృష్టిలో - "రిజ్'కు"- అంటే తిండిమాత్రమే-నట-బీమన్నకు పాకంమీదేలోకం అన్నటుల-

(2)-" జోజు-అజ్వాజు" అంటే పెళ్ళాలుమాత్రమే నని రాసారు- తర్జుమకారులు.

అసలు అర్థం:Life partners -a wife for a hubby and a husband for wife,

ఒక తర్జుమాల " గ్రీష్మపితామహః"-యెన్నో రకాల తర్జుమాచేసారట-అంటే అన్నీ corrcet యేనా/ లేక-రాజుగారి మొదటి బార్య పతివ్రత లాగా అనుకోవలయునా? దీని భావమేమి తర్జుమలయీసా?

--యిదేం తెగులు బండితవర్యా?

◢◤

..ముష్రిక మూకలూ , మునా'ఫి'కు'బిడారాలూ, బిద్అతీ--ఖురాఫా'తీలూ - కా'ఫిరుల లాగే "అని సాలిహీనుల ఉవాచ (అమలుకంటే ముందు సరైన అవగాహన-.

I.e.కన్-ఫి'గరేషన్-ముఖ్యం.-వర్న అమలు బాతిల్ హోజావే!!!

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

శ్రవణశక్తితో గ్రహించి గడించిన "ఇల్మ్"-లోపభూయిష్టం అని దిగ్గజబండితుల అభిప్రాయం అట.

Hearsy is half knowledge/ నీమ్ హకీమ్ ఖతర-యే-జాన్-

First Hand Knowledge Is available only in our book of Constitution (alqaanoon-Al-Quraanu)

చెప్పుడుమాటల్లో పలికేవాడి సాఫ్ట్వేర్ కూడ యేరులై కలిసి పారుతుంది. అంటే 100%foolproof కానేరదు .
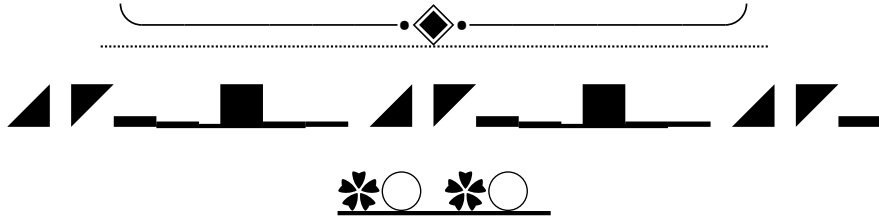
DOCUMENT VERIFIED BY BOWLANNA

MUTTIPENDAWY,CHEEPURUPALLY,+

HADAPZAKATDECOITY,VIZIANARAM +

CHEDALUPANDITCHEMBODU,NOW CAMPING@SRIKAKULM

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

Dtp by JidduZaloomanJogulaaye,

with Tech Support from ESciondiaOeiappelRaz.CCIE.

✾◯◯⋆ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯◯⋆ ✾◯ ✾◯

✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯◯⋆ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯

/\\\/\\/\\/\\///\//\//\//\\\/\

దైవశాపగ్రస్త

మునాఫికు, ముష్రికు, కాఫీరులకు, భువియే, స్వర్గం, అనుభవీ రాజా! అష్ట ఐశ్వర్యాలూ!

చిర్రుబుర్రులూ చిందులూ ఆడాలే!!! తాగి,తాకి,తందనాలు ఆడాలే!!!

నేలపై ఆకతాయి అల్లర్లు రేపాలే!రేపులు,గ్రేపులూ వుండనే వుండే!!!ఉచ్చ

పెట్రోలు కానీయ్యాలే!!!అంతా అదుర్స్!!!?ఖా,పీకర్ కపాస్ బనాదేనా!!!

చింపేయ్యాలే!!!!!!సుక్క, ముక్క,బొమిక...ఉండనేవుండే\\\

విరుచుక\టూట్ పడేనునేను!\\\ఆకేస్కో,వక్కేస్కో,ఆపైన సూస్కొంటాన్//;

\\సుగం యెంగే?:ఇదో ఇంగే!\\

\\\యవ్వనమే ఓకే >కానుకలే///జీవితమే ఓకే >వేడుకలే\\\

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

At-Tawba (9:38)بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ مَا لَكُمْ إِذَا قِيلَ لَكُمُ ٱنفِرُواْ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ ٱثَّاقَلْتُمْ إِلَى ٱلْأَرْضِ أَرَضِيتُم بِٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا مِنَ ٱلْءَاخِرَةِ فَمَا مَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا فِي ٱلْءَاخِرَةِ إِلَّا قَلِيلٌ

O you who believe! What is the matter with you, that when you are asked to march forth in the Cause of Allaahu,swt, you cling heavily to the earth? Are you pleased with the life of this world rather than the Hereafter? But little is the enjoyment of the life of this world as compared with the Hereafter.

ے ایمان والو! تمہیں کیا ہو گیا ہے کہ جب تم سے کہا جاتا ہے کہ چلو کے راستے میں کوچ کرو تو تم زمین سے لگے جاتے ہو۔ کیا تم آخرت کے عوض دنیا کی زندگانی پر ہی ریجھ گئے ہو۔ سنو! دنیا کی زندگی تو آخرت کے مقابلے میں کچھ یونہی سی ہے/9/38

ఆగేభీ జానేన మై \\ పీఛేభీ ఆగేభీ జానేన మై\\యహీ కర్లూ పూరీ ఆర్జూ మై\\\\దున్యా ఆరిజీ హై కతే మేరే బావా\\\;

కాని దైవసుప్రీంకోర్టులో ఏంజేసుకోలేన్!!!

నా ముందున్నదే ముసల్లపండగ!!!!

Al-Burooj (85:12)

إِنَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيدٌ

Verily, (O Muhammad (Peace be upon him)) the Grip (Punishment) of your Lord is severe.

یقیناً تیرے رب کی پکڑ بڑی سخت ہے

r/85/12

దునియాదారీ,విర్రవీగుళ్ళూ,లంచాలూ,మంచాలూ,చెంచాలూ,పంచలూ,రేపు {{{౬౮అసలు మౌలానా౬౮}}}వారి సుప్రీంకోర్టులో చెల్లవే!!!! నేంజేసిన మంచితప్పు,తతిమ్మా లన్నీ నా బేలన్సుషీటు\చిట్టాలో లయబిలిటీస్ గా మారి నాపై భారీగా విరుచుకుపడగలవే!!!!;౬౮Beware of fradulent muttifund zakat hadpe money launderers masquerading as moulaanaas....

నా "అస్సెట్సు" నా "ఈమానం",ఇంకా ((నేను))అంటే అరబీ((నహ్ను))తమిళ, మళయాల((నాన్,))కన్నడ ((నిన్న\నన్ను))చేసిన మంచిపనులు మాత్రమే, నన్ను కాపాడగలవ్!!!!!అని!!!

మాగోరవ, శిరోధార్య,కుచ్చుకుళ్ళాయ్,పిల్లిగెడ్డపు,పండిత,షాబావులాన

కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకనేలేవే-Al-A'raaf (7:198)-సచ్చినోళ్ళా?

If thou callest them to guidance, they hear not. Thou wilt see them looking at thee, but they see not.

और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते

আর তুমি যদি তাদেরকে সুপথে আহবান কর, তবে তারা তা কিছুই শুনবে না। আর তুমি তো তাদের দেখছই, তোমার দিকে তাকিয়ে আছে, অথচ তারা কিছুই দেখতে পাচ্ছে না।

ముట్టడిఫండవీ,జకాతుహడపీ,ఈనాడే((చేవెళ్ళ)) లో ఘంటాపథంగా

యెగిరెగిరి అరిచి కరిచి గోసపెట్టి గట్టిగా జెప్పిండు!!!!

మరి యీనాలా \ వద్దా

/\\\/\\/\\/\\//\//\//\//\\\/\

⁘{✽}⁘{✽}⁘{✽}⁘{✽}{✽}⁘{✽}⁘{✽}⁘